छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 181 ■ अम्बिकापुर, रविवार 12 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

आईसी मार्ट के ईनामी संचालकों को भगोड़ा घोषित की पुलिस

आरक्षक की पुत्री द्वारा आत्महत्या के मामले को राष्ट्रीय अजजा आयोग लिया संज्ञान में

आईसी मार्ट के संचालकों ने सामान चोरी करने का आरोप लगाकर किया था बेइज्जत

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर। आरक्षक की बेटी के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग ने संज्ञान में लिया है। आयोग मामले की जांच करेगा। आयोग ने मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, डीजीपी और कोरिया जिले के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक से तीन दिनों में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी है।

मार्ट संचालकों पर 5 हजार इनाम घोषित

मामले को लेकर पुलिस परिवार द्वारा थाने का घेराव और नेशनल हाईवे में चक्काजाम किया था। पुलिस ने मार्ट संचालक तीन भाइयों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 107, 308(2), 309(4) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(अ) के तहत अपराध दर्ज किया। कोरिया एसपी रवि कुर्रे ने मार्ट संचालक भाइयों विनोद बैद (50 वर्ष), जगत कुमार (55 वर्ष) और दीपक बैद (30 वर्ष) को भगोड़ा घोषित किया है। एसपी ने तीनों भाइयों की सूचना देने पर 5 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस लाइन बैकुंठपुर में रहने वाले आरक्षक की बेटी आत्मानंद स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा थी। मंगलवार, 7 जुलाई को वह अपनी छोटी बहन के साथ सामान खरीदने के लिए बैकुंठपुर के संजय चौक स्थित आईसी मार्ट (सुपर मार्केट) गई थी।

बैकुंठपुर के आईसी मार्ट के संचालकों ने छात्रा पर कॉस्मेटिक सामान की चोरी करने का आरोप लगाकर स्कूटी जब्त कर ली थी और स्कूटी छोड़ने के एवज में 50 हजार रुपये की डिमांड की थी। चोरी का नोट भी लिखवा लिया था, जिससे परेशान होकर 17 वर्षीय किशोरी ने सुसाइड नोट लिखकर फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में उसने लिखा कि, मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना। मेरी वजह से आप लोगों को बदनामी झेलनी पड़ रही है। पुलिस ने आईसी मार्ट के फरार संचालक, तीन भाइयों पर पांच हजार रुपये का ईनाम घोषित किया है।

अनुसूचित जनजाति आयोग करेगा जांच

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने नाबालिग छात्रा द्वारा आत्महत्या मामले की जांच का निश्चय किया है। आयोग ने अजजा नेता डॉ. नंदकुमार साय के पत्र को संज्ञान में लेते हुए तीन दिनों में कार्रवाई की जानकारी मांगी है। आयोग के सहायक निदेशक पीके दास ने जारी नोटिस में कहा है कि नियत अवधि में आपका उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो आयोग संविधान में प्रदत्त सिविल न्यायालय की शक्तियों का उपयोग कर सकता है।

दोनों बहनों से लिखवाया, सामान चोरी किये हैं

आईसी मार्ट संचालक ने छात्रा पर करीब 1500 रुपये का कॉस्मेटिक सामान पैसे दिए बिना रखने का आरोप लगाया। हालांकि, छात्रा और उसकी बहन सामान लेकर दुकान से बाहर नहीं निकली थीं। छात्रा और उसकी बहन के साथ मार्ट संचालक ने अभद्रता भी की। आरोप है कि दुकान संचालक ने छात्रा को डांटा और उससे एक कागज पर सामानों की लिस्ट बनवाई और उसमें लिखवाया कि, दोनों बहन आईसी मार्ट से चोरी किये हैं। संचालक ने दोनों का हस्ताक्षर कराया। मार्ट संचालक ने इनकी स्कूटी अपने पास रख ली।

मामा से 20 हजार और पिता से मांगा 50 हजार

छात्रा की जानकारी पर उसके मामा एसआई अलंगो दास मार्ट पहुंचे तो संचालक ने 20 हजार रुपये स्कूटी छोड़ने के लिए मांगा। मामले की जानकारी मिलने के बाद बुधवार 8 जुलाई की सुबह छात्रा के पिता आरक्षक शिवनाथ सिंह पैकरा आईसी मार्ट पहुंचे तो संचालक ने उससे 50 हजार रुपये मांगे। इसके बाद बुधवार की दोपहर किशोरी की मां मायके से बस स्टैंड पहुंची थी, जिसे लेने शिवनाथ पैकरा बस स्टैंड पहुंचे थे। इस बीच उनकी पुत्री ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

आदिवासी समाज ने की कार्रवाई की मांग

सर्व आदिवासी समाज ने शुक्रवार को पूर्व विधायक गुलाब कमरो के नेतृत्व में कोरिया कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंपा। समाज ने मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही 24 घंटे के भीतर उनकी गिरफ्तारी का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई है कि, अगर तय समय में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

सहकारी समिति के प्रबंधक ने की थी खुदकुशी, तत्कालीन बैंक प्रबंधक सहित अन्य पर केस दर्ज

दो करोड़ से अधिक के केसीसी लोन का वारान्यारा करने से जुड़ा है पूरा मामला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के केरजू सहकारी समिति के मैनेजर ने 25 दिसंबर 2025 को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। मामले में जांच के बाद पुलिस ने जिला सहकारी बैंक पेटला के तत्कालीन शाखा प्रबंधक भूपेंद्र सिंह परिहार सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोप है कि, बैंक मैनेजर ने मृत सोसायटी मैनेजर को सामने रखकर बैंक से फर्जी तरीके से केसीसी लोन निकलवाया और 52 लाख रुपये ले लिये थे। सोसायटी मैनेजर ने पैसे वापस मांगे तो उसे नौकरी से निकाल देने की धमकी दी गई थी। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सहकारी समिति केरजू के मैनेजर दिनेश गुप्ता 50 वर्ष ने 25 दिसंबर 2025 को अपने घर में देर रात फांसी लगा ली थी। घटना से पहले वे सोसाइटी से वापस पहुंचे थे। सोसायटी में किसानों ने उनके खाते से फर्जी तरीके से केसीसी लोन निकालने को लेकर विवाद किया था। इसके पीछे कारण किसानों का लाखों रुपये का कर्जदार होना और उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत पर जब सरगुजा कलेक्टर ने जांच कराया तो मामला दो करोड़ से अधिक के केसीसी फर्जीवाड़े का निकला था। इधर सहकारी समिति के प्रबंधक द्वारा खुदकुशी का मामला सामने आने के बाद मृतक के चचेरे भाई संतोष गुप्ता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच करते हुये पेटला बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक भूपेन्द्र सिंह परिहार 48 वर्ष सहित अन्य के खिलाफ धारा 108, 3(5) भादवि के तहत केस दर्ज ली है। पुलिस ने बताया कि, आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मामले में पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

केसीसी लोन का 52 लाख रुपये डकार लिया

आत्महत्या केस की जांच कर रही सीतापुर पुलिस ने मृतक की पत्नी सुनीता गुप्ता का बयान दर्ज किया। सुनीता गुप्ता ने बताया कि दिनेश गुप्ता के माध्यम से जिला सहकारी बैंक पेटला के तत्कालीन मैनेजर भूपेंद्र सिंह परिहार ने हेराफेरी करते हुए केसीसी लोन निकलवाकर 52 लाख रुपये ले लिये थे। वे पैसे नहीं लौटा रहे थे, जिससे उनके पति परेशान थे। भूपेन्द्र सिंह परिहार से पैसा मांगने पर उन्होंने दिनेश गुप्ता को धमकाया और डांटते हुए नौकरी से निकाल देने की धमकी दी थी। इससे उनकी चिंता और अधिक बढ़ गई थी।

गबन के बाद जिम्मेदारी थोप दिया मृतक पर

सुनीता ने बताया है कि, तत्कालीन बैंक मैनेजर ने दिनेश गुप्ता को गुमराह करके पैसे को गबन कर लिया था, और पूरी जिम्मेदारी उनके ऊपर डाल दी थी, जिससे प्रताड़ित होकर उन्होंने आत्महत्या कर ली। किसानों ने फर्जी तरीके से केसीसी लोन निकालने की शिकायत सरगुजा कलेक्टर से की थी। इसकी जांच में 2 करोड़ से अधिक राशि फर्जी तरीके से निकालने की पुष्टि हुई। मामले की जांच सहकारी बैंक की जांच टीम ने भी की थी। आरोप लगने के बाद तत्कालीन बैंक मैनेजर को हटा दिया गया था।

मैनपाट में बाइक सवार 3 युवकों की मौत, एनएच में महिला को ट्रक ने कुचला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के मैनपाट में बीती रात दो बाइकों की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत हो गई। दोनों बाइक तेज रफ्तार में थी। हादसे के बाद बाइक सवार उछलकर सड़क पर गिर गये, ओर दो युवकों की मौके पर मौत हो गई, एक की अंबिकापुर अस्पताल पहुंचते तक मौत हो गई। घटना कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र का है। एक अन्य हादसे में नेशनल हाईवे 43 में ट्रक की टक्कर से महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक, मैनपाट के नर्मदापुर-बिजलहवा मुख्य मार्ग में शुक्रवार रात करीब 8 बजे तेज रफ्तार दो बाइकों में सीधी टक्कर हो गई। हादसे में लुंड्रा निवासी अर्जुन विश्वकर्मा 23 वर्ष और गुड्डू राम माझी 22 वर्ष निवासी कोट, सीतापुर की मौके पर ही मौत हो गई। बाइकों की टक्कर के बाद तीनों सड़क पर गिर गये इन्होंने हेलमेट नहीं पहना था, जिस कारण सिर में इन्हें गंभीर चोट आई थी। घटना की सूचना मिलने पर कमलेश्वरपुर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से हादसे में घायल युवक विफन कुमार माझी पिता

पुतल साय मांझी 21 वर्ष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमलेश्वरपुर भेजा गया। यहां से उसे गंभीर अवस्था में अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना देर रात 10 घायल विफन के स्वजन को मिली और वे क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचे। घायल की स्थिति गंभीर देखकर चिकित्सक ने प्राथमिक चिकित्सा के बाद उसे रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में देर रात करीब 12 बजे चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

दोनों युवक मैनपाट घूमने के लिये निकले थे

विफल कुमार माझी और गुड्डू माझी बाइक में मैनपाट घूमने घर से निकले थे। देर शाम वापस घर लौट रहे थे, इस दौरान दूसरे बाइक सवार से हुई जोरदार टक्कर में तीनों को गंभीर चोटें आई थी, और गुड्डू माझी व दूसरे बाइक में सवार अजुर्न विश्वकर्मा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। माझी परिवार के सदस्यों को हादसे की सूचना मिली, और वे अस्पताल में पहुंचे।

अर्जुन का एक वर्ष पहले हुआ था विवाह

दूसरे बाइक में सवार अर्जुन लोहर अपने ससुराल नर्मदापुर जा रहा था। करीब एक वर्ष पूर्व ही उसकी शादी हुई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के दौरान मौसम भी साफ था, पठारी क्षेत्र होने के कारण सड़क पर धुंध जैसी स्थिति भी नहीं थी। ऐसे में हादसे की वजह तेज रफ्तार को माना जा रहा है। पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

ट्रक ने दंपती को मारी ठोकर, महिला की मौत

एक अन्य हादसे में नेशनल हाईवे 43 में ट्रक ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार देवरी निवास रीता एक्का 48 वर्ष की मौत हो गई वहीं उसका पति सुखन एक्का गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों किसी काम से सीतापुर गए थे और शाम को वापस लौट रहे थे। सेदम बाजार के पास उन्हें पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटनाकारित ट्रक का पता नहीं चल पाया है।

ट्रांसफार्मर में धमाका के बाद कूलर में अचानक प्रवाहित हुआ करंट

पत्नी से बात कर रहे युवक को लगा जोरदार झटका, हो गई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के नवापारा निवासी रोविन मंडल की बिजली का करंट लगने' से मौत हो गई। घटना 10 जुलाई को अपरान्ह करीब 3 बजे की है।

नलकूप विभाग में पंप का संचालन करने वाले मृतक के पिता नारायण मंडल ने पुलिस को दिए कथन में बताया है कि उनका बड़ा लड़का रोविन मंडल एसईसीएल बिजुरी में नौकरी करता था, जो 9 जुलाई की रात 11 बजे अपने घर ग्राम मदनपुर आया था। 10 जुलाई को अपरान्ह करीब 3 बजे घर में परिवार के सभी सदस्य थे, और बरसात हो रही थी। इसी बीच पास में बिजली खंभा में लगे ट्रांसफार्मर में धमाका हुआ। रोविन बाथरूम से नहाकर निकला और अपने कमरे में चले गया। कुछ देर बाद बहू के चिल्लाने की आवाज आई। जब वह दौड़कर कमरे में गया तो रोविन जमीन पर गिरा हुआ था। नाक और कान से खून निकल रहा था और वो बेहोशी की हालत में पहुंच गया था। स्वजन आननफानन में रोविन को अपने साधन से होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि रोविन नहाने के बाद तौलिया और टीशर्ट पहनकर बंद कूलर के ऊपर हाथ रखकर अपनी पत्नी से बात कर रहा था, उसी समय अचानक 'कूलर में आये करंट और जोरदार झटका लगने से वह गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस सहायता केंद्र होलीक्रॉस अस्पताल ने शव का पोस्टमार्टम कराया है और मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ट्रांसफार्मर ब्लास्ट और घरेलू उपकरण में करंट आने के कारणों की पड़ताल करेगी। घटना से स्वजन में शोक का माहौल है।

नगर पंचायत जरही के मनोनीत पार्षदों का हुआ शपथ ग्रहण

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। नगर पंचायत जरही में शासन द्वारा मनोनीत पार्षद अरुण कुमार सिंह, दीपक रजक और रंजन मंडल का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार, 10 जुलाई को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तीनों मनोनीत पार्षदों ने अपने पद एवं दायित्वों की शपथ ग्रहण की। समारोह में प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सूरजपुर मुरली मनोहर सोनी, भाजपा जरही मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह सहित नगर पंचायत के निर्वाचित

पार्षद, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित रहे। नवमनोनीत पार्षदों ने नगर के विकास, जनहित के मुद्दों और नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई। उनके मनोनयन से नगर पंचायत में विकास कार्यों और जनहित से जुड़े विषयों को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

चोरी व हमले की वारदात को बीत गए 2 माह, आरोपी तक नहीं पहुंच पाई पुलिस

मझौली में नकाबपोश चोरों ने दिया था घटना को अंजाम, मौके से आरोपी का पाया गया था मोबाईल

बलंगी पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन बलंगी। चौकी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मझौली में नकाबपोश चोरों द्वारा की गई लाखो रुपये की चोरी व राड से हमले के मामले को दो माह बीत गए परंतु अब पुलिस चोरों तक नहीं पहुंच सकी है। जबकि उक्त वारदात के दौरान मौके पर आरोपी का मोबाइल भी पाया गया, बावजूद इसके पुलिस की पहुंच आरोपियों तक नहीं हो सकी है। जिसको लेकर लोगो मे खासी नाराजगी है और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो रहे है। लोगो का कहना है कि जब आरोपी का मोबाईल मिल चुका है इसके बाद भी आरोपियो

तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। इस बात से यह अंदाजा सहजता से लगाया जा सकता है कि क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता कितनी और किस स्तर की है। बताया गया है कि बलरामपुर जिले के बलंगी चौकी क्षेत्र के ग्राम मझौली निवासी धीरेंद्र पाठक के घर पर 11 मई की देर रात नकाब पोश चोरों ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर प्रवेश किया था और घर के कमरे में दीवान में रखा सोने चांदी के आभूषण जिनमे सोने का मंगल सूत्र, मांग टीका, चैन, अंगुठी कान का झुकमा, लॉकेट तथा चांदी का पायजेब समेत नगदी पार कर दिया है। चोरी गए सामानों की कीमत लाखो में बताई गई है। चोरी की वारदात के दौरान आहट मिलने पर घर के आंगन में सोए धीरेंद्र पाठक की नींद खुल गई थी। जिन्हें जगा हुआ देख दो नकाबपोश चोर तो दीवाल से कूद कर भाग निकले थे वहीं तीसरे को भागने की कोशिश के दौरान धीरेंद्र पाठक ने पकड़ लिया था। इस दौरान दोनों के बीच झुमा झटकी हुई और आरोपी ने हाथ मे रखे लोहे के वजनदार राड से धीरेंद्र ओर हमला कर भागने में सफल हो गया। इस हमले में उनके सीने और माथे मे चोट भी आई थी। मगर इस झूमा झपटी व भागने के दौरान आरोपी का मोबाईल मौके पर गिर गया था जिसे पुलिस के हवाले कर दिया गया था। उक्त वारदात की रिपॉर्ट प्रार्थी द्वारा 12 मई को चौकी बलंगी में दर्ज कराई गई है जिस पर पुलिस द्वारा धारा 309 (6), 331 (4) (6).117 (1) का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त घटना को हुए दो माह का समय बीत गया है। पुलिस एक ओर नए तकनीक की मदद से चोरों व अपराधियो तक अपनी पहुंच बनाने एवं त्वरित कार्रवाई की बात करती है मगर इस मामले में आरोपी का मोबाईल मिलने के बाद भी पुलिस अब तक चोरों तक नहीं पहुंच सकी जो पुलिस के सूचना तंत्र व कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। इस मामले में पुलिस के आला अधिकारियों तक से अनुनय विनय किया जा चुका है मगर लगता है वो भी अपने सिस्टम के आगे असहाय है। इस घटना में आरोपियों के नहीं पकड़े जाने से लोगो मे पुलिस के प्रति नाराजगी व असंतोष का वातावरण निर्मित हो रहा है और लोग जहाँ पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे है वहीं अपने जानमाल को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं, कौशल विकास से युवाओं को बनाएं आत्मनिर्भर : कृषि मंत्री

★ नेताम की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास समिति की बैठक संपन्न ★ पर्यटन बनेगा रोजगार का नया माध्यम, तैयार होगी प्रभावी कार्ययोजना ★ कौशल प्रशिक्षण से मजबूत होगी स्थानीय अर्थव्यवस्था

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रदेश के अनुसूचित जनजाति विकास, कृषि एवं कृषक कल्याण, मत्स्य पालन, पशुपालन विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत शासी परिषद समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंत्री श्री रामविचार नेताम ने जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए प्रगति पर बिंदुवार चर्चा की और अधिकारियों से जानकारी ली।

उन्होंने स्वीकृत कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। बैठक में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज, सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैंकरा, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, वन मण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेई सहित समिति के सदस्यगण एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित थे।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं को स्वरोजगार और स्थानीय रोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिले के पर्यटन स्थलों का योजनाबद्ध कार्ययोजना तैयार कर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समय की मांग के अनुरूप पर्यटन आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण तैयार कर युवाओं को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि वे गाइड, होम-स्टे, होटल एवं अन्य पर्यटन सेवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रशिक्षण तभी सार्थक होगा, जब उससे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ें तथा कोई भी प्रशिक्षित युवा बेरोजगार न रहे। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत स्वीकृत विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री रामविचार नेताम ने उनकी प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के विकास से जुड़े सभी स्वीकृत कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो। मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि विकास से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित करते हुए स्वीकृत राशि का प्रभावी एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी पूरी सजगता और जिम्मेदारी के साथ विकास कार्यों की निगरानी करें, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंच सके।

बैठक में मंत्री श्री नेताम ने किसानों एवं आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी सहकारी बैंकों में शेड और पर्याप्त बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि लोगों को बैंक परिसर में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में अधूरे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर आमजनों को शासन की योजनाओं का लाभ देने को कहा। श्री महाराज ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से बेहतर कार्य करते हुए जनप्रतिनिधियों को भी क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराएं।

बैठक में जिला खनिज न्यास संस्थान अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री रामविचार नेताम ने इस वित्तीय वर्ष हेतु कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने पिछले वर्ष के स्वीकृत कार्यों में कितने कार्य पूर्ण हुए इसकी भी जानकारी ली।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिला खनिज संस्थान न्यास समिति से जुड़ी जानकारी के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 के महत्वपूर्ण कार्य एवं आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के कार्ययोजना के अनुमोदन तथा गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत डीएमएफ अंतर्गत प्राप्ति एवं व्यय की राशि की जानकारी, डीएमएफ एवं महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में जानकारी दी। साथ ही बताया कि उच्च प्राथमिकता क्षेत्र अंतर्गत पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला व बाल विकास, कौशल विकास व आजीविका, स्वच्छता, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य किया जाएगा।

कलेक्टर के निर्देशन में जलभराव की समस्या का त्वरित समाधान, पानी की निकासी कर आवागमन बनाया गया सुगम

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में आम नागरिको की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा रहा है इसी कड़ी में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सूचना जिला अस्पताल बलरामपुर के समीप मुख्य मार्ग पर नाली में अवरोध एवं अतिक्रमण के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिससे आम नागरिकों, मरीजों एवं राहगीरों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जिस पर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने त्वरित संज्ञान लिया और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जिस पर नगर पालिका परिषद बलरामपुर द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर नाली में जमा मलबे एवं अवरोध को हटाया तथा जलभराव वाले क्षेत्र से पानी की निकासी कर मार्ग को आवागमन के लिए सुगम बनाया। जिससे आने-जाने वाले नागरिकों को राहत मिली।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि नगरीय निकायों में नियमित निरीक्षण कर नालियों की साफ-सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की करें, ताकि वर्षा ऋतु के दौरान कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की है कि नालियों में कचरा या मलबा न डालें तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में नो बुक डे पर विभिन्न गतिविधियां

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में शनिवार के दिन नो बुक डे के दिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। शैक्षिक गतिविधियों में आठवीं कक्षा से प्रथम रिया सिंह, द्वितीय पायल राजवाड़े, तृतीय कोमल सिंह, सांत्वना पुरस्कार में शिवम विश्वकर्मा व रितिक विश्वकर्मा ने बाजी मारी। वहीं कक्षा सातवीं में प्रथम स्थान कुमारी नगीना यादव, द्वितीय ललिता राजवाड़े व तृतीय दुर्गेश्वरी विश्वकर्मा ने प्राप्त किया। खेलकूद में प्रथम शांति सिंह एवं वंदना राजवाड़े, द्वितीय खुशी सिंह एवं अनीता और तृतीय स्थान नैनसी यादव एवं मनीता राजवाड़े ने प्राप्त किया। शैक्षिक कार्यक्रम में वेदिका राजवाड़े ने प्रथम, वेद राजवाड़े ने द्वितीय तथा संध्या राजवाड़े ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा छठवीं के लिए आयोजित शैक्षिक गतिविधियों के कार्यक्रम में रिया देवांगन प्रथम, रीतु रजवाड़े द्वितीय तथा नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि संस्था बस्तामुक्त विद्यालय होने के कारण प्रति दिवस बस्ता रहित पठन-पाठन का कार्य होता है किंतु शनिवार के दिन विशेष गतिविधियों का आयोजन कर बच्चों का सतत आंकलन कर सीखने सिखाने का कार्य किया जाता है। इस दौरान शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो तथा पूनम गुप्ता सक्रिय रहे। कार्यक्रम का समापन एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पौधरोपण भी किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गैर संचारी रोगों की पहचान एवं उपचार के प्रति किया जा रहा जागरूक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा यूनिसेफ एवं एमसीसीआर ट्रस्ट, रायपुर के सहयोग से जिले में गैर संचारी रोगों की शीघ्र पहचान एवं समय पर उपचार के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय बलरामपुर के बस स्टैंड एवं संतोषी नगर चौक में नुक्कड़ नाटक और नृत्य के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई।

प्रस्तुति के दौरान बच्चों में होने वाले गैर संचारी रोगों जैसे सिकल सेल रोग, टाइप-1 डायबिटीज (बाल मधुमेह) तथा अन्य गंभीर बीमारियों के कारण, लक्षण एवं समय पर जांच और उपचार के महत्व को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया गया। आमजन से अपील की गई कि यदि बच्चों में ऐसे लक्षण दिखाई दें तो उन्हें तत्काल नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में जांच के लिए लेकर जाएं।

इस अवसर पर जन्मजात हृदय विकार के प्रारंभिक लक्षणों, जैसे छोटे बच्चों का दूध न पी पाना, सांस लेने में कठिनाई होना एवं अन्य संकेतों की जानकारी भी सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से दी गई। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए नियमित टीकाकरण, गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के महत्व से भी लोगों को अवगत कराया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस तरह के जनजागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान सुनिश्चित कर बच्चों एवं माताओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना तथा आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

ससुर के दस्तावेजों को लेकर पति-पत्नी में हुआ विवाद, ग्रामीण ने लगाई फांसी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सोनवाही महादेवपारा में एक ग्रामीण ने ससुर के दस्तावेज को लेकर पत्नी के साथ हुए कहासुनी से क्षुब्ध होकर फांसी लगा लिया है। लटोरी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सोनवाही महादेवपारा निवासी 47 वर्षीय सावाल साय सिंह पिता महादेव गोंड का शुक्रवार शाम पत्नी जुगमेन बाई के साथ ससुर के मृत्यु प्रमाण पत्र एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनवाने की बात को लेकर कहासुनी हो गया था। इसके बाद सावाल साय ने खाना खाकर घर के बाहर बरामदे में सोने चला गया था, शनिवार की सुबह ग्रामीण का शव गौशाला में फांसी पर लटका पाया गया है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

सियान गुड़ी की तर्ज पर एल्डरली एवं डिसेबल फ्रेंडली बनाया जाएगा जिला अस्पताल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति जिला अस्पताल कार्यकारिणी समिति की बैठक आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विगत बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान आम नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने जिला अस्पताल को दिव्यांगजन-अनुकूल (डिसेबल फ्रेंडली) एवं वृद्धजन-अनुकूल (एल्डरली फ्रेंडली) बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में सियान गुड़ी की तर्ज पर वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं तथा आगामी तीन माह के भीतर इसकी कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

बैठक में जीवन दीप समिति की वार्षिक आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया तथा जिला चिकित्सालय की आवश्यकताओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन बेहतर ढंग से करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए बेहतर सेवाएं प्रदान करने की बात कही। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारी को समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करने को कहा।

बैठक में जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने हेतु पार्किंग, सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, रिक्त पदों की भर्ती, मरम्मत कार्य तथा विभिन्न मदों में व्यय के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही अस्पताल की अन्य आवश्यकताओं से जुड़े विभिन्न एजेंडों पर विचार कर अनुमोदन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय सिंह, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. शशांक गुप्ता, डॉ. अनुज पैकरा, सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डीएवी स्कूल में राष्ट्रीय खेलकूद स्पर्धा क्लस्टर-II का भव्य शुभारंभ

10 विद्यालयों के 208 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के डीएवी पब्लिक स्कूल परिसर में डीएवी राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता क्लस्टर-II 2026-27 का भव्य शुभारंभ हुआ। पूरे दिन खेल मैदान खिलाड़ियों की ऊर्जा, अनुशासन और उत्साह से सराबोर रहा। छत्तीसगढ़ जोन के 10 डीएवी विद्यालयों से आए 208 खिलाड़ियों ने दौड़, जूडो, स्केटिंग, लंबीकूद, ऊंचीकूद, गोला फेंक और तवा फेंक जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उद्घाटन समारोह में मार्च पास्ट, मशाल प्रज्ज्वलन, क्रीड़ा ध्वजारोहण और खिलाड़ियों की शपथ ने आयोजन को राष्ट्रीय खेल महोत्सव जैसा स्वरूप प्रदान किया। प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ जोन के क्षेत्रीय अधिकारी प्रशांत कुमार एवं सह-क्षेत्रीय अधिकारी श्रीमती मोलिका मुखर्जी के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन की संपूर्ण जिम्मेदारी वेन्यू इंचार्ज एवं डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की प्राचार्या श्रीमती अनामिका भारती ने संभाली। प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर, भटगांव, पांडवपारा और चिरमिरी के साथ-साथ डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कनकनगर, जमड़ी, भंवरमाल, कालामंजन, सकरिया एवं पतरातू के खिलाड़ी शामिल हुए। इनमें 136 छात्र और 72 छात्राएं सहित 208 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के साथ एस्कॉर्ट शिक्षक, तकनीकी अधिकारी एवं निर्णायक भी उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत डीएवी गान से हुई। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह ने क्रीड़ा ध्वज फहराकर और मशाल प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद डीएवी बिश्रामपुर के स्कूल हेड बॉय राघवेन्द्र सिंह ने सभी खिलाड़ियों को निष्पक्षता, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई। सभी विद्यालयों के खिलाड़ियों ने आकर्षक व अनुशासित मार्च पास्ट प्रस्तुत कर अतिथियों का मन मोह लिया। उद्घाटन समारोह में एरिया सिक्योरिटी ऑफिसर श्याम सुंदर रात्रे, डीएवी पांडवपारा के प्राचार्य एवं डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट क्लस्टर-II के प्रभारी पीएल वर्मा, एसकेएमएस यूनियन के पंकज गर्ग, सजल मित्रा सहित विभिन्न सामाजिक एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का स्मृति-चिन्ह, कैप एवं बैज पहनाकर स्वागत किया।

संगीत शिक्षक नासिर खान एवं मनीष शर्मा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और खेल गीत प्रस्तुत कर समारोह में सांस्कृतिक रंग भी बिखेरे। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सबसे प्रभावी साधन हैं। आज के समय में बच्चे मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन पर अधिक समय बिताने के कारण शारीरिक गतिविधियों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे आयोजनों से उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों समान रूप से आवश्यक हैं तथा खिलाड़ियों को हार-जीत से ऊपर उठकर खेल भावना का परिचय देना चाहिए। प्राचार्या श्रीमती अनामिका भारती ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। खेल बच्चों को संघर्ष करना, लक्ष्य निर्धारित करना और कठिन परिस्थितियों का सामना करना सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि क्लस्टर स्तर के विजेता खिलाड़ी जोनल डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट में भाग लेने के पात्र होंगे तथा वहां सफल होने वाले खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। स्पर्धा के दौरान विभिन्न आयु वर्गों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

खेल प्रतियोगिता में आयोजित स्पर्धा में 14 वर्ष आयु अंतर्गत बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में शानी कुमार चिरमिरी प्रथम, अरशद अंसारी द्वितीय और मुदस्सर साहिल भटगांव ने तृतीय स्थान, पांडवपारा 17 वर्ष आयु अंतर्गत बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में एमडी आहद चिरमिरी प्रथम, धार्या सिंह भटगांव द्वितीय और आशुतोष राजवाड़े बिश्रामपुर ने तृतीय स्थान, 19 वर्ष आयु अंतर्गत बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में आयुष सिंह पांडवपारा प्रथम, तेजस सिंह परमार प्रेमनगर द्वितीय और आदित्य कुमार देवांगन चिरमिरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 14 वर्ष आयु अंतर्गत बालक वर्ग 800 मीटर दौड़ में आरुष सिंह बिश्रामपुर प्रथम, अध्यात्म शर्मा पांडवपारा द्वितीय और तनवीर रजा मनसारी चिरमिरी ने तृतीय स्थान, 17 वर्ष आयु अंतर्गत बालक वर्ग 800 मीटर दौड़ में सूर्यदीप भटगांव प्रथम, आर्यन यादव बिश्रामपुर द्वितीय और अंशु राजवाड़े पांडवपारा ने तृतीय तथा 19 वर्ष आयु अंतर्गत बालक वर्ग 800 मीटर दौड़ में पुष्कर राज यादव बिश्रामपुर प्रथम, भविष्य कुमार केसरी भंवरममाल द्वितीय और अंशु पैकरा जिंदी तृतीय स्थान अर्जित किया। 14 वर्ष बालक वर्ग गोला फेक में आदर्श कुमार साहू बिश्रामपुर प्रथम, मणिशंकर चिरमिरी द्वितीय स्थान, 17 वर्ष बालक वर्ग गोला फेक मे रूद्रप्रताप चौहान बिश्रामपुर प्रथम, शाहिद रजा भटगांव द्वितीय स्थान हासिल किया। 19 वर्ष आयु अंतर्गत बालक जूडो 45 किलोग्राम वर्ग में मयंक यादव चिरमिरी प्रथम, कैप हसन बिश्रामपुर द्वितीय स्थान, 19 वर्ष आयु अंतर्गत बालक जूडो 66 किलोग्राम वर्ग में आयुष कुमार सिंह बिश्रामपुर प्रथम, पीयूष केवट व चिरमिरी द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। आयोजकों ने बताया कि क्लस्टर-द्धद्ध में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अब जोनल स्तर की डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट में भाग लेंगे। वहां से चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस कारण यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए भविष्य की बड़ी उपलब्धियों की पहली महत्वपूर्ण सीढ़ी मानी जा रही है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षिकाओं अर्पणा मिश्रा एवं शोभा नामदेव ने किया।

सुशासन का पहिया: सरस्वती सायकल योजना से संवर रहा छत्तीसगढ़ की बेटियों का भविष्य

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।सरस्वती साइकिल योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उन्हें स्कूल तक आवागमन की सुविधा प्रदान करना है ।इसके तहत शासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 9वीं में पढ़ने वाली अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की छात्राओं को निःशुल्क साइकिल दी जाती है मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सुशासन सरकार ने एक ऐसी पहल की है, जिससे बेटियों के हौसलों को नए पंख मिल गए हैं ।शिक्षा सत्र शुरू होने के मात्र एक महीने के भीतर, जुलाई माह में ही, पात्र छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत निशुल्क सायकल का वितरण किया जा रहा है । यह त्वरित फैसला पालकों, शिक्षिकाओं और स्वयं छात्राओं के लिए एक बड़ी सौगात साबित हो रहा है ।

पैदल सफर से मिली मुक्ति, अब सायकल से नापेंगी दूरी

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सारंगढ़ की कक्षा 9वीं की छात्रा छोटी यादव की कहानी जिले की सैकड़ों बेटियों का प्रतिनिधित्व करती है । छोटी को अपने गांव झरपडीह से 3 किलोमीटर दूर स्कूल आने के लिए हर रोज पैदल सफर तय करना पड़ता था। तपती धूप और बारिश में पैदल चलना थका देने वाला होता था, लेकिन अब उसकी यह परेशानी दूर हो चुकी है। निशुल्क सायकल पाकर छोटी के चेहरे पर आई मुस्कान उसकी खुशी और राहत को साफ बयां करती है । छोटी की तरह ही ग्राम बासीनबहरा की छात्रा आकांक्षा रात्रे और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करने वाली दीक्षा सिदार जैसी अनेक बालिकाओं के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है । अब इन्हें 2 से 5 किलोमीटर का सफर पैदल तय नहीं करना पड़ेगा । छात्राओं का कहना है कि सायकल मिलने से समय भी बचेगा और मैं बिना थके अपनी पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगे । सरकार की इस मदद के लिए हम सभी छात्रा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देती हूँ ।

पालकों को मिली बड़ी आर्थिक राहत

जुलाई का महीना किसानों के लिए खेती-किसानी और धान बोआई का समय होता है । ऐसे वक्त में गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई और सायकल खरीदने का अतिरिक्त खर्च उठाना एक बड़ी चिंता होती थी। सरकार द्वारा सत्र के शुरूआत में ही सायकल उपलब्ध करा देने से पालकों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है । अब उन्हें बेटी की पढ़ाई या आवागमन के साधनों के लिए कर्ज लेने या अनावश्यक खर्च करने की चिंता से मुक्ति मिल गई है ।

सुव्यवस्थित वितरण और योजना का उद्देश्य

जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में सारंगढ़, बरमकेला और बिलाईगढ़ ब्लॉक में सायकल के पार्ट्स को असेंबल (फिटिंग) कर स्कूलों के माध्यम से सीधे छात्राओं तक पहुँचाया जा रहा है । इसी कड़ी में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारंगढ़ में 150 पात्र बालिकाओं को सायकल का वितरण किया जा चुका है ।

एक नजर में योजना का लक्ष्य

शासकीय एवं अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 9 वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और गरीबी रेखा के नीचे परिवार की छात्राएं को सायकल वितरण किया जाना है ।इसका मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं को शाला तक आवागमन की सुगम सुविधा प्रदान करना है । इससे स्कूल ड्रॉप-आउट दर में कमी आएगी और बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा ।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की इस संवेदनशील पहल से न सिर्फ बेटियां समय पर स्कूल पहुँच रही हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है । 'सरस्वती सायकल योजना' छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और सुशासन की एक जीवंत मिसाल बनकर उभर रही है ।

सीएम हेल्पलाइन बनी दिव्यांग प्रफुल्ल बेक के लिए उम्मीद की नई राह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रदेश के जरूरतमंद नागरिकों के लिए भरोसेमंद सहारा बनकर उभर रही है ।जशपुर जिले के बाबू सजबहार निवासी दिव्यांग प्रफुल्ल बेक की समस्या का त्वरित समाधान इसकी संवेदनशील और प्रभावी कार्यप्रणाली का प्रेरक उदाहरण है ।प्रफुल्ल बेक चलने-फिरने में असमर्थ हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें गत वर्ष मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई थी, जिससे उनका दैनिक जीवन काफी आसान हो गया था। लेकिन तकनीकी खराबी के कारण पिछले चार माह से ट्राइसाइकिल बंद पड़ी थी। इससे उनका घर से बाहर निकलना लगभग असंभव हो गया था और छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अपनी परेशानी से राहत पाने के लिए प्रफुल्ल बेक ने 28 जून 2026 को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही समाज कल्याण विभाग ने बिना विलंब कार्रवाई करते हुए संबंधित एजेंसी को उनके घर भेजा। आवश्यक मरम्मत के बाद कुछ ही दिनों में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल फिर से सुचारु रूप से चलने लगी। प्रफुल्ल बेक ने बताया कि यह ट्राइसाइकिल उनके लिए केवल एक साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर जीवन का आधार है।इसके बंद होने से उनका दैनिक जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया था। अब ट्राइसाइकिल ठीक होने के बाद वे फिर से अपने जरूरी कार्य स्वयं कर पा रहे हैं और पहले की तरह स्वतंत्र रूप से आवागमन कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ष्सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज करने के कुछ ही दिनों में मेरी समस्या का समाधान हो गया। अब मेरी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल फिर से चलने लगी है और मैं दोबारा आत्मनिर्भर महसूस कर रहा हूं। मुख्यमंत्री जी की संवेदनशील पहल और प्रशासन की तत्परता ने मेरी बड़ी परेशानी दूर कर दी।ष

शाला प्रवेश उत्सव में मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशी बच्चों का किया स्वागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट अंग्रेजी माध्यम स्कूल, उदयपुर में आयोजित विकासखंड स्तरीय 'शाला प्रवेश उत्सव' में सहभागिता कर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को मिठाई खिलाकर नवीन शैक्षणिक जीवन की शुभ शुरूआत कराई तथा अध्ययन सामग्री भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ₹हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है । शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और संस्कारित समाज के निर्माण की आधारशिला है । हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को निखारते हुए अपने सपनों को साकार कर सके ।₹ उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला भी है । उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, नियमित विद्यालय आने तथा जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्हें निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नवीन शैक्षणिक सत्र के अवसर पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकगण को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार और शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है । उनके सामूहिक प्रयासों से ही शिक्षित, जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है ।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सुरेन्द्र साहू भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के संभाग प्रभारी बनाए गए

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। लखनपुर जिला सरगुजा - भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री किरण देव सिंह जी, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन सायं जी ,प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी आदरणीय डॉ. नवीन मार्कंडेय जी एवं प्रदेश संयोजक (भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ) माननीय श्री दिनेश सिंह जी एवं सरगुजा के भाजपा जिला अध्यक्ष श्री भारत सिंह सिसौदिया जी की अनुशंसा से सुरेन्द्र साहू को छत्तीसगढ़ भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं सरगुजा संभाग-प्रभारी एनजीओ प्रकोष्ठ का दायित्व प्रदान किया गया है। सुरेन्द्र साहू ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा मुझ पर जताए गए इस विश्वास के लिए मैं हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

सुरेन्द्र साहू ने कहा कि यह जिम्मेदारी मेरे लिए गौरव के साथ-साथ एक पवित्र संकल्प है। मैं इसे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता और अथक परिश्रम के साथ निभाते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करूंगा। मेरा लक्ष्य रहेगा कि भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सेवा, सहयोग और विकास की भावना पहुंचे तथा आमजन को भारतीय जनता पार्टी की जनहितैषी नीतियों और कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

भारतीय जनता पार्टी सदैव ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास₹ के मूल मंत्र पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रही है। इसी विचारधारा को आत्मसात करते हुए मैं संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और समाज सेवा के कार्यों को नई गति देने का हर संभव प्रयास करूंगा। उल्लेखनीय है कि सुरेन्द्र साहू पुरे छत्तीसगढ़ में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं ।इसके पुर्व सुरेन्द्र साहू ,बजरंग दल सरगुजा विभाग के विभाग संयोजक,विहिप के संगठन मंत्री, भाजपा के मंडल महामंत्री एवं एल्डरमैन , भी रह चुके हैं। सुरेन्द्र साहू अनेक सामाजिक कार्यो में सक्रिय है। सुरेन्द्र साहू को युनिसैफ, कैलाश सत्यार्थी फाऊंडेशन एवं अन्य अनेक सामाजिक संगठनों द्वारा सामाजिक कार्य के लिए पुरूस्कार भी प्रदान किया गया है। सुरेन्द्र साहू ने कहा कि कि जल्दी ही सरगुजा संभाग के सभी जिलों में प्रवास करके भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। सुरेन्द्र साहू को भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और सरगुजा संभाग प्रभारी बनाए जाने पर अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दिया है।

सुरेन्द्र साहू

भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं सरगुजा संभाग प्रभारी भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

सेवा सेतु पोर्टल से साकार हो रहा जनता के द्वार, डिजिटल सरकार का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में डिजिटल सुशासन को नई गति मिल रही है। शासन की महत्वाकांक्षी पहल ह्यसेवा सेतुह्न पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं अब पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं । सेवा सेतु के जरिए सरकारी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण होने से आम नागरिकों को कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और सेवाओं की उपलब्धता अधिक सुगम एवं प्रभावी बन रही है । इसी दिशा में दुर्ग जिले में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से राजपत्र (गजट) प्रकाशन सेवा के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन का एक उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया है। नाम परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रकरण का निराकरण तय समय-सीमा के भीतर किया गया। इसके उपरांत आवेदक को सेवा सेतु के माध्यम से आधिकारिक राजपत्र प्रकाशन (गजट नोटिफिकेशन) उपलब्ध कराया गया। यह उदाहरण दशार्ता है कि सेवा सेतु पोर्टल नागरिकों को पारदर्शी, त्वरित और भरोसेमंद सेवाएं उपलब्ध कराने में प्रभावी भूमिका निभा रहा है ।

डिजिटल तकनीक से आसान हुई शासकीय सेवाएं

सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों की नागरिक सेवाओं को एकीकृत किया गया है, जिससे आवेदन से लेकर सेवा प्राप्ति तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध हो गई है ।

गैर-संचारी रोगों के पहचान अभियान में 200 से अधिक बच्चों की स्वास्थ्य जांच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम बलरामपुर जिला में स्वास्थ्य विभाग ने यूनिसेफ एवं एमसीसीआर ट्रस्ट के सहयोग से विकासखंड शंकरगढ़ में बच्चों के लिए विशेष गैर-संचारी रोग स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया ।शिविर में 1 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 200 से अधिक बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया ।जांच के दौरान 7 बच्चे सिकल सेल रोग से प्रभावित पाए गए, जिन्हें आगे की विस्तृत जांच, परामर्श एवं उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर जांच और उपचार से सिकल सेल सहित अन्य गैर-संचारी रोगों की जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों को सिकल सेल रोग, बाल मधुमेह तथा अन्य गैर-संचारी रोगों के लक्षण, नियमित जांच, समय पर उपचार और फॉलो-अप के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अभिभावकों को सलाह दी गई कि यदि बच्चों में अत्यधिक कमजोरी, बार-बार बुखार, लगातार प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, अचानक वजन घटना या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई दें तो तत्काल निकटतम स्वास्थ्य संस्थान में जांच कराएं। शिविर के दौरान बच्चों की समग्र स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परामर्श तथा जरूरतमंद बच्चों के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफरल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि ऐसे विशेष शिविरों के माध्यम से बच्चों में गैर-संचारी रोगों की शीघ्र पहचान कर समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है ।शिविर के सफल संचालन में स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ, एमसीसीआर ट्रस्ट, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम तथा विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारियों का सक्रिय सहयोग रहा।

चैतमा के नौनिहालों ने नुक्कड़ नाटक और मानव श्रृंखला से दिया जनसंख्या स्थिरीकरण का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।बढ़ती जनसंख्या के प्रति वैश्विक चिंताओं और उसके समाधानों को रेखांकित करने के लिए आज 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य समुदाय में परिवार नियोजन के साधनों, छोटे परिवार के महत्व तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कोरबा जिले के चैतमा में जन-जागरूकता के कई प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के रासेयो प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और इको क्लब के स्वयंसेवकों ने 'जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा' के तहत पूरे क्षेत्र में जागरूकता की अलख जगाई।

चित्रकला से उकेरी बढ़ती आबादी की चुनौतियां

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में आयोजित एक वृहद चित्रकला प्रतियोगिता से हुई। इसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी तूलिका के माध्यम से बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणामों, जैसे– गरीबी, बेरोजगारी, और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को बेहद संजीदगी से चार्ट पेपर पर उकेरा। साथ ही, बच्चों ने छोटे परिवार के लाभ और लैंगिक समानता पर भी सुंदर संदेश दिए।

बुधवारी बाजार में गूंजा नुक्कड़ नाटक, बनाई विशाल मानव श्रृंखला

चित्रकला प्रतियोगिता के बाद स्वयंसेवक विद्यार्थी ग्राम पंचायत चैतमा के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र 'बुधवारी बाजार' पहुंचे। यहाँ विद्यार्थियों ने एक बेहद प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। नाटक के माध्यम से परिवार नियोजन के साधन, मातृ स्वास्थ्य की महत्ता और अंधविश्वासों को दूर करने की अपील की गई, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए। इसके बाद विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर बाजार चौक पर एक विशाल मानव श्रृंखला बनाई, जो एकजुटता और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनी।

नारेबाजी के साथ निकली भव्य जागरूकता रैली

छोटा परिवार-सुखी परिवार₹ और ₹जनसंख्या पर रोक लगाएं, देश को खुशहाल बनाएं₹ जैसे गगनभेदी नारों के साथ स्वयंसेवकों ने चैतमा के प्रमुख मार्गों पर भव्य जन-जागरूकता रैली निकाली। रैली में तख्तियां पकड़े बच्चे ग्रामीणों को यह समझाने में सफल रहे कि जनसंख्या स्थिरीकरण केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक का मानवाधिकार और कर्तव्य है।

जागरूकता ही एकमात्र समाधान

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और रासेयो कार्यक्रम अधिकारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस विशेष दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य केवल आबादी की गिनती करना नहीं है, बल्कि बढ़ती जनसंख्या से जुड़े गंभीर मुद्दों जैसे गरीबी, मातृ स्वास्थ्य में कमी और लैंगिक असमानता के प्रति समाज को सचेत करना है। जब तक हर नागरिक जागरूक नहीं होगा, तब तक देश में सतत विकास की कल्पना अधूरी है।

सम्पादकीय

ऑस्ट्रेलिया से 'नाभिकीय' समझौता लाएगा बदलाव

क्वाड पर अमेरिका के ठंडे रुख के बाद भारत ने अपने स्तर पर क्वाड के अन्य प्रमुख साझेदार देशों जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंधों को नई गति देने की रणनीति अपनाई है। क्वाड चार प्रमुख लोकतांत्रिक देशों भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान का रणनीतिक समूह है, जिसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करना है। बदलते वैश्विक समीकरणों और बढ़ती भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत अब अपने द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत और व्यावहारिक आधार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में पहले जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भारत का दौरा किया, जहां दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इससे स्पष्ट है कि भारत अपने भरोसेमंद साझेदार देशों के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता दे रहा है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच यूरेनियम आपूर्ति से जुड़ा बहुप्रतीक्षित असैन्य परमाणु समझौता हुआ है। माना जा रहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह 'नाभिकीय' समझौता ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लेकर आएगा। इसके साथ ही रक्षा, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिज, साइबर सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला, अंतरिक्ष सहयोग और निवेश सहित लगभग 18 महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर, मैरीटाइम सिक्योरिटी रोडमैप और यूरेनियम सप्लाई एग्रीमेंट जैसे समझौते दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती देंगे। ये समझौते केवल द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार नहीं हैं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सामरिक समीकरणों का भी स्पष्ट संकेत हैं। बढ़ती साझेदारी यह दर्शाती है कि दोनों लोकतांत्रिक देश अब केवल व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोगी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इस परमाणु समझौते के बाद भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की व्यावसायिक आपूर्ति का मार्ग खुल जाएगा। दोनों देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर विकसित करने का भी निर्णय लिया है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरण और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों के लिए आवश्यक लिथियम, कोबाल्ट तथा अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निर्णायक भूमिका निभाएगी। अंतरिक्ष क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ेगा। ऑस्ट्रेलिया के कोकोस (कीलिंग) द्वीप पर स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल स्थापित किए जाने से भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन सहित अन्य अंतरिक्ष अभियानों को तकनीकी सहायता मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत की तीन बहुमूल्य धार्मिक एवं ऐतिहासिक कलाकृतियां लौटाने की घोषणा की है। इनमें देवी भद्रकाली की आकृति वाला धातु का त्रिशूल, भगवान शिव के वाहन नंदी की पत्थर की प्रतिमा तथा छह मुख वाले भगवान कार्तिकेय की दुर्लभ प्रतिमा शामिल हैं। इनकी स्वदेश वापसी दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और सांस्कृतिक सहयोग का भी प्रतीक है। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री की यह यात्रा संकेत देती है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा क्षमता, तकनीकी प्रगति और आर्थिक हितों को मजबूत करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। भारत रक्षा समेत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुआ यह 'नाभिकीय' समझौता इसी नई सोच और दूरदर्शी रणनीति का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

आतंक व बातचीत साथ नहीं चल सकते

मुद्दा
डॉ. आशीष वशिष्ठ

> भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध मई 2025 के बाद से काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 20 से ज्यादा पर्यटकों को पाकिस्तानी आतंकियों ने मारा था। इसके बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच गोलीबारी और ड्रोन हमलों का सिलसिला चला। इस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच सरकारी स्तर पर कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। व्यापार लगभग बंद है, दूतावास कमजोर स्तर पर चल रहे हैं और लोगों के बीच संपर्क भी बेहद सीमित है। भारत हमेशा बातचीत का पक्षधर रहा है, लेकिन पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने का ठोस संकल्प नहीं दिखाता, तब तक किसी भी वार्ता का कोई अर्थ नहीं है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बेहतर संबंध बनाने की उम्मीद से दोनों देश के प्रधानमंत्रियों को जानी-मानी 117 हस्तियों ने मिलकर पत्र लिखा है। पत्र लिखने वालों में 61 लोग भारत से और 56 पाकिस्तान से हैं। पत्र में मांग की गई है कि अब संबंधों को सामान्य किया जाए और तल्खियां घटाई जाएं। ये पहल सेंटर फॉर पीस एंड प्रोग्रेस के अध्यक्ष ओपी शाह की तरफ से की गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध मई 2025 के बाद से काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 20 से ज्यादा पर्यटकों को पाकिस्तानी आतंकियों ने मारा था। इसके बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच गोलीबारी और ड्रोन हमलों का सिलसिला चला। इस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच सरकारी स्तर पर कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। व्यापार लगभग बंद है, दूतावास कमजोर स्तर पर चल रहे हैं और लोगों के बीच संपर्क भी बेहद सीमित है। भारत का स्पष्ट रुख रहा है कि जब तक पाकिस्तान से आतंकवाद पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक कोई वार्ता संभव नहीं है। इस पत्र को लेकर अब प्रश्न भी उठ रहे हैं। अहम सवाल यह है कि भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? राजनयिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, व्यावसायिक संबंध क्यों पुनः स्थापित किए जाएं? आतंकियों को पालने-पोसने वाले देश को कड़ा सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के माध्यम से प्रेम का प्रदर्शन करना चाहिए? जो 117 चेहरे आज पाकिस्तान के पक्षकार बने हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? क्या वे पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों' का बलिदान भूल गए? क्या उरी से लेकर 26/11 मुंबई आतंकी हमले तक पाक परस्त शैतानों और हत्यारों के षड्यंत्र भी भूल गए? पत्र लिखने वालों में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर आर्त पुकार की थी कि मोदी सरकार हटाने में सहायता करें। यह नवंबर, 2015 का प्रसंग है। दोनों कथित कांग्रेस नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत-पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। अब समर्थकों की सूची में शामिल हैं, तो वह बिल्कुल निरर्थक है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती का पाकिस्तान प्रेम जगजाहिर है। इनके बयानों से ऐसा अहसास होता है मानो पाकिस्तान सरकार का कोई प्रवक्ता बोल रहा है। भारत की गुप्तचर एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुलत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की आत्मा तक से परिचित हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। ओपी शाह, मनोज झा, जवाहर सरकार आदि कितने बड़े कूटनीतिज्ञ हैं, यह हम नहीं जानते, लेकिन सूची में जो 61 नाम भारतीयों के हैं, वे विश्वासपूर्वक प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर विरोधी हैं और पाकिस्तान के अनुयायी चेहरे हैं। आज उन्हें कौन पूछता है? क्या प्रासंगिकता है इनकी? क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? आतंक के अड्डे समाप्त किए जाएं। सरकार और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें

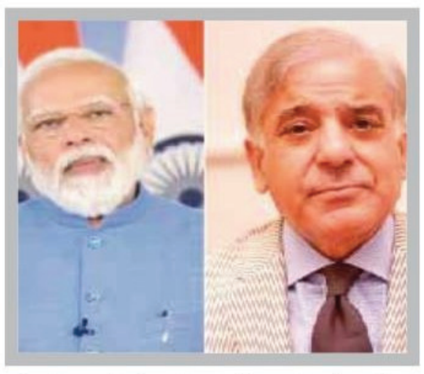

'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। पत्र लिखने वालों की मंशा क्या है, यह वे स्वयं बेहतर जानते हैं। पत्र लिखने वालों में से किसी ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की पुनर्स्थापना के बाद सीमा पर तनाव कम हो जाएगा? सीमा पार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? पत्र से जुड़े लोग इससे भी भलीभांति परिचित होंगे कि पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान का केंद्र हमेशा से सेना रही है और वर्तमान सेना प्रमुख तो इतने शक्तिशाली बना दिए गए हैं कि उन्हें फील्ड मार्शल की पदवी प्राप्त हो चुकी है। वास्तव में, आतंकवाद की चर्चा जब भी होती है, तो ये समर्थक हकलाने लगते हैं या अशिष्ट भाषा का प्रयोग करते हैं। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। पाकिस्तान के कथित उप प्रधान मंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी-मलबा कर दिया गया था? ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की सरकार से भारत बात क्यों करेगा? पाकिस्तान में सार्वजनिक कार्यक्रमों, जनाजों और सरकारी आयोजनों में आतंकवादियों का खुलकर घूमना आम बात है। जिन लोगों पर संयुक्त राष्ट्र में आतंकवादी होने का आरोप है, वे पाकिस्तान में खुलेआम दिखाई देते हैं। ऐसे देश के साथ बैठकर बातचीत कैसे की जाए और भरोसा कैसे किया जाए? पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले चेहरे यह भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40,000 से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ-मंदिर ध्वस्त किए हैं? महिलाओं का सतीत्व लूटा है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी संबंध मधुर और श्रेष्ठ बनाना चाहते हैं? पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है कि एक तरफ बातचीत की मेज पर बैठना और दूसरी तरफ आतंकी हमले करवाना। शिमला समझौते के करीब 25 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर का दौरा किया। पाकिस्तानी जनता को यह भरोसा दिलाने के लिए वे मीनार-ए-पाकिस्तान भी गए कि त्रासद विभाजन के बावजूद भारत पाकिस्तान की संप्रभुता को पूरी तरह स्वीकार करता है। उन्होंने वहां विजिटर्स बुक में यह भी लिखा कि एक स्थिर और समृद्ध पाकिस्तान भारत के हित में है।

वाजपेयी की इस राजनयिक पहल का जवाब पाक ने कारगिल युद्ध छेड़कर दिया और शांतिपूर्ण संबंधों की प्रक्रिया पटरी से उतर गई।अटलजी के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को अपनी भली मंशा के संकेत देने के लिए दिसंबर 2015 में काबुल से भारत लौटते समय लाहौर का दौरा किया और उस समय प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ से मिले। दस दिन बाद पाकिस्तान ने पठानकोट हमले को अंजाम दिया। पत्र लिखने वाले भारतीयों को इतना तो याद रखना चाहिए कि उरी हमले के बाद भारत का दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट रहा कि बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कदम उठाए हैं। इसमें सिंधु जल संधि को रोकना भी शामिल है। राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से यह पूरी तरह सही भी है। इस कसौटी को अनदेखा करते हुए भारतीय हस्ताक्षरकर्ताओं ने एक ऐसे पत्र पर स्वाक्षर किए हैं, जिसमें आतंकवाद का उल्लेख भी नहीं है। भारत हमेशा बातचीत का पक्षधर रहा है, लेकिन पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने का ठोस संकल्प नहीं दिखाता, तब तक किसी भी वार्ता का कोई अर्थ नहीं है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जल संरक्षण

बाल मुकुन्द ओझा

आज पानी बचाएंगे तो भविष्य होगा सुरक्षित

देश में हर साल मानसून आता है और सर्वत्र बारिश होती है, इसके बावजूद लोग पानी के लिए तरस जाते हैं। इसका एक मुख्य कारण है हम वर्षा जल का संचयन नहीं कर पाते। मौसम विभाग की मानें तो मानसून भारत में प्रवेश कर चुका है। मानसून अपने साथ अपार खुशियां लेकर आता है। लोगों को पीने के लिए जहां पानी मिलता है, वहीं किसान अपने खेतों में बुवाई शुरू कर देते हैं। बारिश से कई जगह बाढ़ की हालत भी हो गई है। वर्षा जल की एक-एक बूंद अनमोल है। जल है तो जीवन है। इसका संचय, संरक्षण से ही मानव जीवन की रक्षा संभव है। जल की अनावश्यक बर्बादी नहीं होने दें। जल संरक्षण के लिए सभी को जागरूक होना होगा और सामूहिक प्रयास करना होगा। इससे जल संरक्षण की दिशा में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। देश में जल संसाधन सीमित और दुर्लभ हैं। पानी घट रहा है और साल 2050 तक यह कमी एक बड़ा संकट बन सकती है। ऐसे में हमें वर्षा जल संचयन जैसे जल संरक्षण के स्थायी तरीकों को अपनाना चाहिए। देशभर में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। राजधानी दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई। भूस्खलन एवं वर्षा के बाद विभिन्न घटनाओं में अनेक लोगों की मौत हो गई। हर साल की तरह इस साल भी देश में मानसून की एंट्री के साथ ही बाढ़ की तबाही भी शुरू हो गई है। वर्षा के जल को किसी खास माध्यम से संचय करने या इकट्ठा करने की प्रक्रिया को वर्षा जल संचयन कहा जाता है। विश्व भर में पेयजल की कमी एक संकट बनती जा रही है। इसका कारण पृथ्वी के जलस्तर का लगातार नीचे जाना भी है। इसके लिए अधिशेष मानसून अपवाह जो बहकर सागर में मिल जाता है, उसका संचयन और पुनर्भरण किया जाना आवश्यक है ताकि भूजल संसाधनों का संवर्धन हो पाए। अकेले भारत में ही व्यवहार्य भूजल भण्डारण का आकलन 214 बिलियन घन मी. (बीसीएम) के रूप में किया गया है, जिसमें से 160 बीसीएम की पुनः प्राप्ति हो सकती है। इस समस्या का एक समाधान जल संचयन है। यहां सवाल यह उत्पन्न होता है कि भारी मात्रा में मानसूनी जल उपलब्ध होने के बावजूद हम जल संकट का सामना क्यों कर कर रहे हैं। इसका जवाब है कि हमने अपने परंरागत जल स्त्रोत समाप्त कर दिए। भारत को कुए, बावड़ी और तालाबों का देश कहा जाता है। यहां नदियां हर समय पानी से लबालब भरी होती थी। इसके बावजूद हम जल समस्या का सामना कर रहे हैं। यह समस्या हर साल गहराती जा रही है। खेत तो दूर की बात, पीने को भी पानी नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय का गठन कर जल संचयन का बीड़ा उठाया है। हमारे देश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है, जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जबकि केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष देश में औसत बारिश हो सकती है। इस बारिश का संचय कर पेयजल संकट से निपटने के साथ खेतों में बंपर पैदावार हासिल की जा सकती है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। भारत अब तक के सबसे बड़े जल संकट से जूझ रहा है। करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साथ ही, देश में करीब 70 प्रतिशत पानी पीने लायक नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। अगर बरसात के बाद नदी-नालों से बहने वाले पानी का प्रभावी तरीके से संग्रहण किया जाए तो पानी कई गुना और ज्यादा मिलने लगेगा। वैश्विक संस्थाओं की लगातार चेतावनियों का लगता है लोगों पर कोई असर नहीं पड़ा है। विभिन्न संगठनों की पानी सम्बन्धी रिपोर्टों में साफ कहा गया है कि भूगर्भ में अब पानी नहीं रहा है और वर्षांत का पानी सहेजने में हम नकारा साबित हुए हैं। विशेषकर भारत में पानी के प्रति घोर लापरवाही का परिणाम आम आदमी को शीघ्र भुगतना होगा। दुनियाभर में 200 करोड़ से ज्यादा लोग साफ पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

छोटे-छोटे संकल्प हमारा आत्मविश्वास बढ़ाते हैं

संकलित
दर्शन

जिस प्रकार किसी भी पूजा को प्रारंभ करने से पूर्व हाथ में जल लेकर संकल्प लिया जाता है, उसी प्रकार किसी भी कार्य को करने के लिए उसे करने का संकल्प लिया जाता है। बगैर संकल्प हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। संकल्प लेने के लिए इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। संकल्प के पश्चात प्रयास प्रारंभ होते हैं। जब संकल्प दृढ़ होता है तो प्रयास को

हिम्मत मिलती है, विजय की राह आसान हो जाती है। हमारी सफलता हमारे संकल्प पर निर्भर करती है। हम जितना भरोसा अपने संकल्प पर करेंगे, उसी अनुपात में हमें सफलता प्राप्त होगी। यदि हमारा संकल्प विजय का है तो हमारी सफलता भी निश्चित है। संकल्प सकारात्मक ऊर्जा के रूप में सह प्रेरक का काम करता है। जीवन में छोटे-छोटे संकल्प लेते रहना चाहिए। जब हम छोटे-छोटे संकल्पों को पूर्ण करते हैं तो आत्मविश्वास और हमारी क्षमता में वृद्धि होती है। दृढ़ संकल्प में असीम शक्ति होती है, जो व्यक्ति को किसी भी प्रकार की बाधाओं से जूझने में सक्षम बनाती है। हालांकि, संकल्प लेकर उन्हें भूलना भी आम बात है। अक्सर हम देखते हैं कि नशे के आदी लोग रोज संकल्प लेते हैं कि वे अब आगे से नशा नहीं करेंगे, किंतु वे ऐसा नहीं कर पाते हैं, क्योंकि उनके संकल्प में दृढ़ता की कमी होती है। दृढ़ संकल्प शक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र है। जो संकल्प के साथ जीता है, वह साधक होता है। कहते हैं कि एक सफल और असफल व्यक्ति के बीच में न तो योग्यता का अंतर होता है और न ही ज्ञान का।

गुरु की बात को गिरधर भी नहीं टाल सकते

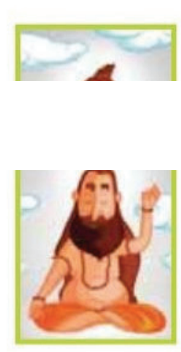

संकलित
प्रेरणा

वृंदावन में एक संत के पास कुछ शिष्य रहते थे। उनमें से एक शिष्य मंद बुद्धि का था। एक बार गुरु देव ने सभी शिष्यों को अपने करीब बुलाया और सब को एक मास के लिए ब्रज में अलग-अलग स्थान पर रहने की आज्ञा दी और उस मंद बुद्धि को बरसाने जाकर रहने को कहा। मंद बुद्धि ने बाबा से पूछा बाबा मेरे रहने खाने की व्यवस्था वहां

कौन करेगा। बाबा ने हंस कर कह दिया राधा रानी, कुछ दिनों बाद एक-एक करके सब बालक लौट आए पर वो मंद बुद्धि बालक नहीं आया। बाबा को चिंता हुई कि दो मास हो गए मंद बुद्धि बालक नहीं आया, जाकर देखना चाहिए। बाबा अपने शिष्य की सुध लेने बरसाने आ गए। बाबा ने देखा कि एक सुन्दर कुटिया के बाहर एक सुन्दर बालक बहुत सुन्दर भजन कर रहा है, बाबा ने सोचा क्यों ना इन्ही से पूछा जाए। बाबा जैसे ही उनके करीब गए वो उठ कर बाबा के चरणों में गिर गया और बोला आप आ गए गुरु देव! बाबा ने पूछा ये सब कैसे, तू ठीक कैसे हो गया? शिष्य बोला- बाबा आपके ही कहने से किशोरी जी ने मेरे रहने खाने पीने की व्यवस्था की और मुझे ठीक कर भजन करना भी सिखाया। बाबा अपने शिष्य पर बरसती किशोरी जी की कृपा को देख खूब प्रसन्न हुए और मन ही मन सोचने लगे कि मेरे कारण मेरी किशोरी जी को कितना कष्ट हुआ। उन्होंने मेरे शब्दो का मान रखते हुए मेरे शिष्य पर अपनी सारी कृपा उड़ेल दी। इसलिए कहते हैं कि गुरु की बात को गिरधर भी नहीं टाल सकते।

अंतर्मन

आज की पाती

जागो, नहीं तो गर्मी से जल जाएगा संसार

आजकल दुनिया के कुछ देशों में कुदरत का प्रकोप झुलसाने वाली गर्मी के रूप में बरप रहा है। यूरोप में जर्मनी और अन्य देशों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया, शायद यहां जून और जुलाई महीनों में तापमान 30 डिग्री से कम रहता है। ऐसे ही गर्मी और भी कई देशों में अपने रिकॉर्ड तोड़ रही है। अमरीका और अन्य कुछ देशों में तो भयंकर गर्मी कुछ लोगों की जान की दुश्मन भी बन गई। अगर हम अपने देश भारत की बात करें तो यहां भी गर्मी अपने रिकॉर्ड तोड़ रही है। हमारे देश में आजकल मानसून का समय है, देश के कुछ राज्यों में इस बार मानसून में अब तक बहुत कम बारिश हो रही है। इन राज्यों में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। धरती पर बढ़ता तापमान सारी दुनिया के लिए बड़ी चिंता का विषय है। - *मंजू यादव, हिसार*

करंट अफेयर

मेक्सिको के गांव में मादक पदार्थ तस्करों के ड्रोन हमले

मेक्सिको के एक गांव में मादक पदार्थ तस्करों के गिरोह ने बुधवार सुबह छह बजे ड्रोन से हमले किए। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी दी। गुआजेस डी अयाला नामक गांव के ग्रामीणों को कई हफ्तों से 'ला नुएवा फमिलिया मिचोआकाना' नाम के मादक पदार्थ तस्कर गिरोह से चेतावनी मिल रही थी। हालांकि उनकी मदद की गुहार पर किसी ने ध्यान नहीं दिया क्योंकि उस समय मेक्सिको सिटी, ग्वाडलहारा और मॉन्टेरी जैसे बड़े शहरों में फुटबॉल विश्वकप आयोजन को लेकर जश्न का माहौल था। मारिलु सोलोरियो नाम की 24 वर्षीय प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मादक पदार्थ गिरोह के तस्करों और समुदाय के सतर्कता विभाग के बीच गोलीबारी शुरू होने के बाद 70 अन्य महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पास के एक बंद पड़े मेडिकल क्लिनिक में शरण लिया। अपने आश्रय स्थल से सोलोरियो ने फोन पर हुई बातचीत में फुटबॉल टूर्नामेंट का जिक्र करते हुए कहा, 'एक तरफ कुछ लोग फुटबॉल के गोल का जश्न मना रहे हैं, तो दूसरी तरफ बम ले जा रहे ड्रोन लोगों की जान ले रहे हैं। जिन जगहों पर विश्व कप खेला जा रहा है वहां के लोगों की सुरक्षा करने के बजाय (मेक्सिको की सरकार को) हम जैसे लोगों की सुरक्षा करनी चाहिए जिन्होंने कभी कुछ गलत नहीं किया।'

ऑफ बीट

फिटनेस ट्रैकिंग के छिपे खतरे विशेषज्ञों ने किया सावधान

मोबाइल ऐप, स्मार्टवॉच और अन्य पहनने योग्य फिटनेस उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपकरण लोगों को अधिक सक्रिय जीवनशैली अपनाने में मदद करते हैं, लेकिन इन पर अत्यधिक निर्भरता मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी हो सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, फिटनेस ट्रैकर केवल शारीरिक गतिविधियों का रिकॉर्ड नहीं रखते, बल्कि लक्ष्य, अलर्ट, बैज, 'स्ट्रीक' और स्वचालित फीडबैक के जरिए लोगों के व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। जहां ये कुछ लोगों को अधिक सक्रिय बनने के लिए प्रेरित करते हैं, वहीं कई लोगों में चिंता, अपराधबोध, तनाव और खान-पान संबंधी अस्वास्थ्यकर व्यवहार भी देखने को मिला है। पिछले एक दशक से इस विषय पर शोध कर रहे विशेषज्ञ ने फिटनेस ट्रैकिंग से जुड़े पांच प्रमुख जोखिमों की पहचान की है। विशेषज्ञ के अनुसार, पहला खतरा प्रतिदिन 10,000 कदम चलने के लक्ष्य को लेकर है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य 1960 के दशक में जापान में एक पेडोमीटर के प्रचार अभियान से जुड़ा था और इसे सभी लोगों के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित मानक नहीं माना जाता। कई शोध बताते हैं कि अधिकतर वयस्कों के लिए लगभग 7,000 कदम भी पर्याप्त और अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं।

ट्रेंड

'ग्रीन ड्राइव' पोर्टल

दिल्ली सरकार ने पेड़ लगाने के लिए 'ग्रीन ड्राइव' पोर्टल शुरू किया है, जिसके ज़रिए मुफ्त पौधे मिलेंगे। जहाँ भी ज़मीन उपलब्ध हो, लोगों को पेड़ लगाने चाहिए और 'ग्रीन दिल्ली' के संकल्प को पूरा करना चाहिए।
- **अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

खेती-बाड़ी व्यवस्था

युवाओं को खेती को नए नजरिए से देखने की ज़रूरत है। अपनी इनोवेशन, स्किल्स और एंटरप्रेन्योरशिप के जरिए वे एक ऐसी खेती-बाड़ी व्यवस्था बनाने में योगदान दे सकते हैं जो आधुनिक, आत्मनिर्भर, स्मार्ट, प्रकृति-अनुकूल और टिकाऊ हो।
-**राजनाथ सिंह**, रक्षामंत्री

ऊर्जा सुरक्षा

भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वच्छ ऊर्जा के मामले में नए मानक स्थापित कर रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम की आपूर्ति को लेकर हुआ यह महत्वपूर्ण समझौता देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा।
- **सम्राट चौधरी**, सीएम, बिहार

विरोध दबाने की कोशिश

सरकार इथेनॉल के मामले में दूसरे देशों के उदाहरण देकर लोगों के विरोध को दबाने की कोशिश कर रही है। सच तो यह है कि जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में ई10 से ज्यादा ग्रेड वाले ईंधन का इस्तेमाल भी नहीं हो रहा है। जापान में अभी सिर्फ ई3 का इस्तेमाल हो रहा है।
-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की तीसरी मिशन संचालन समूह बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में इसकी प्रगति की समीक्षा की। इसे और मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। यह स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, आसान और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पतंग को पाइप से उतारने में दादा की मौत

खुर्जा। कोतवाली क्षेत्र के बुर्ज उस्मान मोहल्ले में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 12 वर्षीय पोते को बिजली के करंट से बचाने के प्रयास में दादा की जान चली गई। करंट की चपेट में आए पोते की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। वीडियो सामने आया है।

51 साल के एक्टर संजीब की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है। खबर है कि टीवी के पॉपुलर सीरियल 'डॉ. आरंभी' में नजर आ रहे एक्टर संजीब सिंह की अचानक मौत हो गई है। शूटिंग करने के बाद घर लौट रहे एक्टर संजीब सिंह के निधन की घटना ने इंडस्ट्री में हड़कंप मचा दी है। वे घर लौट रहे थे तभी हार्ट अटैक आया था।

हिमाचल में 17 आईएएस, 22 एचएएस इधर-उधर

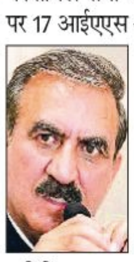

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सिविल सेवा बोर्ड की सिफारिशों पर 17 आईएएस और 22 एचएएस अधिकारियों के तबादला व तैनाती आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव कमलेश पंत ने आदेश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार चंद अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन का अतिरिक्त कार्यभार भी देखेंगे।

शाह ने सीमावर्ती जिलों के एसपी के साथ अहम सम्मेलन को संबोधित किया

भारत को घुसपैठ मुक्त बनाएंगे, 3 साल में नारकोटिक्स की समस्या भी हो जाएगी हल

'सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026' में की कॉन्फ्रेंस

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों पर बात की

हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे, जिससे कहीं भी घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत तमाम पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों के एसपी के साथ एक अहम सम्मेलन को संबोधित किया। सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 नाम की इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे हैं। जिससे देश को घुसपैठिया मुक्त करने के साथ ही घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से देश को जम्मू कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट में आतंकवाद और नक्सलवाद से निजात मिली है। घुसपैठ को रोकने के साथ ही आने वाले 3 सालों में सरकार नारकोटिक्स की समस्या पर भी विजय प्राप्त करेगी। सम्मेलन में बॉर्डर से लगते 119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी शामिल हुए। इनके सात गृहमंत्री शाह ने कई सुरक्षात्मक मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ ही उनके परामर्श को भी ध्यान से सुना और समस्याओं के निराकरण के लिए विस्तार से ब ात भी की।

गृहमंत्री शाह ने 3 बड़े ऐलान किए

119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी बैठक में रहे शामिल

केंद्र सरकार मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड बना रही

शाह ने कहा कि मोदी सरकार, संबद्ध सीमा रक्षक बल, राज्य और जिला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित हितधारक तथा स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर एक मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

घुसपैठ से जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव

गृह मंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकी परिवर्तन का मूल कारण घुसपैठ है। मोदी सरकार आइसोलेटेड सीमा चौकी की व्यवस्था से एकीकृत सुरक्षा ग्रिड का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सीमांत क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव की सूचना मिली है।

म्यांमार बॉर्डर पर 610 किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़बंदी हो रही

गृहमंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 31 हजार करोड़ से 1610 किलोमीटर लंबे म्यांमार बॉर्डर पर बाड़बंदी कर रही है। प्रॉक्सी वार, घुसपैठ, कट्टरपंथ का प्रसार, नारकोटिक्स, तस्करी, ड्रोन, साइबर अपराध, संगठित अपराध और जनसांख्यिकीय परिवर्तन रोकना, सीमा को रहने लायक बनाना और वहां से पलायन रोकना और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तटीय सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में भी हम समग्रता से आगे बढ़ेंगे। स्मार्ट बॉर्डर की कल्पना पर आधारित भारत की बॉर्डर सुरक्षा व्यवस्था आने वाले समय में विश्व में सबसे आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था होगी।

रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने व्यापक योजना बना रहे

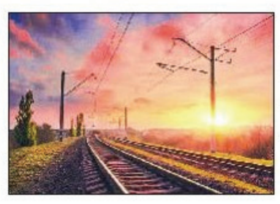

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने के लिए कई सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर एक व्यापक योजना बनाने की बात कही है। इस योजना में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), सीबीआई (सीबीआई) और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) जैसी एजेंसियां शामिल हैं।रेलवे सुरक्षा और समन्वय योजनागृह मंत्रालय और रेल नेटवर्क की सुरक्षा के लिए संयुक्त रणनीति।रेल पटरियों पर किसी भी तरह की तोड़फोड़ या साजिश को नाकाम करने के उपाय।खुफिया एजेंसियों और रेलवे पुलिस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जाएगा।

दलित छात्रा की हत्या

खरगे का प्रहार, डबल इंजन सरकार का चेहरा 'बेनकाब'

⏭ नई दिल्ली

मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या के मामले को लेकर कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के बजाय न्याय की मांग उठाने वालों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। खरगे ने कहा कि ललिता गौतम की निर्मम हत्या ने भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' का महिला और दलित विरोधी चेहरा फिर उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने के बजाय विपक्षी नेताओं और न्याय की मांग करने वालों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला

खरगे ने दावा किया राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार 2013 से 2024 के बीच महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों में लगभग 42.6 प्रतिशत और एससी के खिलाफ अपराधों में करीब 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देश में औसतन हर 2 घंटे 3 मिनट में एससी की एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज होता है, यानी प्रतिदिन लगभग 12 दलित महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले सामने आते हैं। ये आंकड़े महिलाओं और दलितों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करते हैं।

कांग्रेस नेताओं को रोकने का आरोप

खरगे ने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस के नेता पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे तो उन्हें गिरफ्तार किया गया, नजरबंद किया गया और पुलिस बल का इस्तेमाल कर रोका गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर उत्तर प्रदेश सरकार विपक्षी नेताओं को पीड़ित परिवार से मिलने से क्यों रोक रही है और परिवार की बात सुनने के बजाय पुलिस कार्रवाई क्यों की जा रही है।

हाथरस और उन्नाव का किया जिक्र

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने बयान में हाथरस और उन्नाव की घटनाओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उन मामलों में भी भाजपा सरकार पर पीड़ितों की आवाज दबाने और सत्ता से जुड़े लोगों को बचाने के आरोप लगे थे। उन्होंने कहा कि मेरठ में भी सरकार का रवैया वैसा ही दिखाई दे रहा है।

दोषियों को कड़ी सजा की मांग

खरगे ने मांग की कि ललिता गौतम हत्याकांड के सभी दोषियों को कठोरतम सजा दी जाए, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित किया जाए तथा विपक्षी नेताओं और परिवार की आवाज को दबाने की कार्रवाई तत्काल बंद की जाए।

राजनीतिक विवाद तेज

मेरठ की इस घटना को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस इसे कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और दलित अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला बता रही है, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और तेज होने की संभावना है।

मुंबई और कोच्चि स्थित कई ठिकानों पर छापेमारी की

स्टेट बैंक को 133.52 करोड़ रुपए की चपत, सीबीआई ने 5 को दबोचा

⏭ नई दिल्ली

सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ 133.52 करोड़ रुपए की कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई और कोच्चि स्थित कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मुंबई स्थित निजी कंपनी फर्नेस फैब्रिका (इंडिया) लिमिटेड के निदेशकों से जुड़े परिसरों पर की गई। सीबीआई ने यह मामला 9 जुलाई को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्ट्रेस्ड एसेट मैनेजमेंट शाखा, मुंबई की शिकायत पर दर्ज किया। मामले में कंपनी के निदेशकों के अलावा अज्ञात लोक सेवकों और अज्ञात निजी व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया गया है।

आरोप क्या हैं?

कंपनी के निदेशकों ने आपराधिक साजिश रचकर बैंक से ज्यादा क्रेडिट फैसिलिटी हासिल करने के लिए कथित रूप से गलत और भ्रामक वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की। इसके बाद बैंक से प्राप्त ऋण राशि का उपयोग उस उद्देश्य के लिए नहीं किया गया, जिसके लिए ऋण स्वीकृत हुआ था। जांच एजेंसी का आरोप है कि धनराशि को अन्य कार्यों में डायवर्ट या साइफन कर दिया गया, जिससे बैंक को लगभग 133.52 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

मुंबई और कोच्चि में कार्रवाई की

मामला दर्ज होने के अगले ही दिन, 10 जुलाई, शुक्रवार को सीबीआई की टीमों ने महाराष्ट्र के मुंबई और केरल के कोच्चि में आरोपियों से जुड़े कई परिसरों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान जांच से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है, जो कथित बैंक धोखाधड़ी और धन के दुरुपयोग की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकती है।

जांच का दायरा बढ़ेगा

सीबीआई ने कहा कि जांच अभी जारी है। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित साजिश में किन-किन लोगों की भूमिका रही, क्या इसमें किसी सरकारी अधिकारी की मिलीभगत थी, बैंक से प्राप्त ऋण राशि का अंतिम उपयोग कहां हुआ तथा धन के डायवर्जन का पूरा नेटवर्क क्या था?

डायरेक्टर जिनको पकड़ा

ए. आर. बशीरुद्दीन, बद्री प्रसाद, नेजी बशीरुद्दीन, रईज बशीरुद्दीन, सनम बशीर।

---

70 मेडिकल कॉलेज सीसीटीवी निगरानी से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन करें

'स्नातक चिकित्सा शिक्षा मानक विनियमन' का उल्लंघन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने देश भर के 70 स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे सीसीटीवी निगरानी से जुड़े अनिवार्य नियमों का तुरंत पालन करें। ये अपने नेटवर्क वीडियो रिकॉर्डर को आयोग से जोड़ने में विफल रहे। इन संस्थानों ने नियमों का पालन नहीं किया है जिनके तहत सीसीटीवी प्रणाली, एनवीआर स्थापित करना था।

■ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने निर्देश जारी किए

राजस्थान में 13 और महाराष्ट्र में 11 सर्वाधिक

एनएमसी की आईटी टीम की लगातार कोशिशों के बावजूद इन चिकित्सा महाविद्यालयों ने अभी तक अपने एनवीआर को एनएमसी से 'कनेक्ट' नहीं किया है। यह अनिवार्यता 'स्नातक चिकित्सा शिक्षा मानक विनियमन' के तहत आती है। नियम न मानने वाले संस्थानों में राजस्थान में 13 चिकित्सा महाविद्यालय हैं। महाराष्ट्र में 11 , दिल्ली में 8 हैं। दिल्ली के अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. आरएमएल अस्पताल, सेंट्रल हेल्थ एजुकेशन ब्यूरो, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय आदि हैं।

छत्तीसगढ़ राजपत्र दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

में रतै (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी रतन साय, शहर / गाँव-पाकेरटिकरा करमीटिकरा तहसील-पत्थलगाँव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम स्तै (पुराना नाम) से बदल कर रतन साय. (नया नाम) रख लिया है।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगांव

//ईश्तहार//

रा०प्र०कं० 273 ब – 121/2026

आम जनता ग्राम लक्ष्मीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रूपन सिंह आ. स्व. शिवबरत जाती गोंड निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने पिता स्व.शिवबरत का मृत्यु दिनांक 10/05/2008 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा आपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुलक अदा कर चालान की प्रति, सपथ पत्र ,अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है ।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनाक 10/07/26 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है।नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 25/06/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी कार्यपालिक भटगांव जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण अजय बंसल, विजय बंसल, रेणू बंसल आ०स्व० हनुमान प्रसाद, मनिया देवी बंसल पति स्व० हनुमान बंसल सभी जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड था०तह० अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि स्व० हनुमान प्रसाद पिता राम किशुन अग्रवाल के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला अग्रसेन वार्ड शीट नं. 08 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2761/1, 2762/2, 2772/3 रकबा क्रमशः 0.02, 0.01 1/2, 0.02 1/2 ऐकड़ भूमि व मकान है।हनुमान प्रसाद पिता राम किशुन अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 16.08.2024 को हो चूकी है। आवेदकगण हनुमान प्रसाद के वारिसानगण हैं।अतः हनुमान प्रसाद की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकगण द्वारा आवेदित भूमि से उनका नाम विलोपित कर स्वयं के नाम से फौति नामांतरण किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा स्व० हनुमान प्रसाद के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-24/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं।नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 10/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

मिजार्पुर। राजकीय माध्यमिक विद्यालय डड़वा छानवे में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अनेक पौधे लगाए गए।

अधि-सूचना नोटिस

प्रकरण क्रमांक // बी-121/2025-26 ग्राम सोहगा आवेदक गोर्वधन पिता स्व० डोकरा चेरवा प्रति रोमा उर्फ निक्की आ० भोले चेरवा निवासी बैगापारा अजिरमा अम्बिकापुर, जितेन्द्र कुजूर पिता दिलेश्वर कुजूर निवासी ग्राम सोहगा, हेलन बखला पुत्री बली राम बखला, निवासी दरीर्पारा अम्बिकापुर, सुनील प्रजापति आ० मनोज प्रजापति निवासी करजी, हरकेश्वर दास पिता रतन दास, सेल्समेन शा०उ०मू० दुकान करजी, अनिल कुमार टोप्पो पिता तत्कालिन पटवारी हल्का न० 05 सोहगा गै० अन्य 05 सा० सोहगा में ख0न0 527/16 रकबा 0.405 हे० भूमि के संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है।जिसकी सुनवाई सुनवाई दिनांक 30/06/2026 को 11.00 बजे न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा पर होगी।इस अधिसूचना नोटिस के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि सुनवाई तारीख 21/07/2026 को दिन के 11.00 बेज तहसील न्यायालय दरिमा में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं।आपके द्वारा उपस्थित नही होने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। जिसके लिए आप स्वंय जिम्मेदार होगें। आज दिनांक 19/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी।

नायब तहसीलदार
दरिमा जिला-सरगुजा

आदर्श जन सेवा मंडल द्वारा गणवेश एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

संवाददाता

मुंबई,:- हिंदी हाई स्कूल, घाटकोपर के बैजनाथ साबू सभागार में आदर्श जन सेवा मंडल द्वारा गणवेश एवं पुरस्कार वितरण समारोह काआयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विद्या प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. राजेंद्र सिंह ने आदर्श जन सेवा मंडल द्वारा किए जा रहे समाजसेवी एवं शैक्षणिक कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि मंडल प्रतिवर्ष लगभग 1,000 से अधिक आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को विद्यालयीन गणवेश, स्कूल बैग, नोटबुक तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि संस्था के सहयोग से लाभान्वित अनेक विद्यार्थी आज डॉक्टर, इंजीनियर तथा विभिन्न उच्च पदों पर कार्यरत हैं, जो संस्था की सेवा-भावना और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। इस अवसर पर मुंबई इंस्टीट्यूट ऑफ डेफेंडम, मझगांव के मूक-बधिर विद्यार्थियों तथा विक्टोरिया मेमोरियल स्कूल, मुंबई सेंट्रल के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को भी गणवेश वितरित किए गए।

झोपड़पट्टियों में कचरा नहीं उठाने का मामला झाड़ू और डिब्बा लेकर सड़क पर उतरे मुलुंडवासी

संवाददाता

मुंबई, मुलुंड पश्चिम की कई झोपड़पट्टियों में पिछले कई दिनों से कचरा नहीं उठाए जाने और कचरा डिब्बे उपलब्ध नहीं कराए जाने के विरोध में गुरुवार को स्थानीय नागरिकों ने भैयासाहेब आंबेडकर चौक से टी वार्ड कार्यालय तक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों ने हाथों में झाड़ और कचरा डिब्बे लेकर मनपा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की. समाजसेवी विकास निकाले ने आरोप लगाया कि मानसून के दौरान सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है. झोपड़पट्टी क्षेत्रों से नियमित कचरा नहीं उठाया जा रहा है, जबकि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई. कचरा डिब्बे नहीं मिलने से लोगों को मजबूरन सड़क किनारे कचरा फेंकना पड़ रहा है, जिससे गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है. प्रदर्शन के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने टी वार्ड की सहायक मनपा आयुक्त योगिता कोल्हे से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया.

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल का दावा, टकराव बढ़ता जा रहा

एफसीआरए नियमों पर कैथोलिक बिशप ऑफ इंडिया से शाह ने बोला झूठ

⏭ नई दिल्ली

विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के नए नियमों को लेकर कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच टकराव और तेज हो गया है। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ बोलने का आरोप चस्पां किया। उन्होंने कहा, अमित शाह ने कैथोलिक बिशप ऑफ इंडिया को एफसीआरए के मुद्दे पर गुमराह किया है और अपनी सरकार की जिम्मेदारी से बचने के लिए झूठे दावे किए हैं।

वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मोदी सरकार वर्षों से एफसीआरए कानून का इस्तेमाल मुखर सामाजिक संगठनों और अल्पसंख्यक संस्थाओं को परेशान करने तथा उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का उद्देश्य सिविल सोसाइटीज की स्वतंत्रता को कमजोर करना है।

2020 से नियम लगातार सख्त होने का आरोप

कांग्रेस नेता ने कहा कि वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने एफसीआरए कानून में कई कड़े संशोधन किए थे। इनमें संगठनों के लाइसेंस निलंबन की अवधि बढ़ाना, केंद्र सरकार को अधिक जांच अधिकार देना तथा प्रशासनिक खर्चों पर सीमा तय करना शामिल था। उनके अनुसार इन बदलावों से कई गैर-सरकारी संगठनों की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं।

2026 के संशोधनों पर नया विवाद

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि 2026 में सरकार ने संसद में ऐसा संशोधन लाने का प्रयास किया था जिससे एफसीआरए लाइसेंस समाप्त होने पर संस्थाओं की संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण का रास्ता खुल जाता। विपक्ष के विरोध के बाद सरकार ने विधेयक को आगे नहीं बढ़ाया, लेकिन बाद में वही प्रावधान नियमों के जरिए लागू करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि नए नियमों में संगठनों के कार्यक्षेत्र और भौगोलिक दायरे को सीमित किया गया है। किसी नए राज्य में काम करने के लिए अतिरिक्त अनुमति और शुल्क का प्रावधान किया गया है। साथ ही सोशल मीडिया खातों और प्रकाशनों के विस्तृत खुलासे की अनिवार्यता तथा कुछ मामलों में वैचारिक आधार पर जांच की व्यवस्था भी की गई है। कांग्रेस का दावा है कि इससे स्वतंत्र संस्थाओं पर सरकारी नियंत्रण बढ़ेगा।

2010 के कानून में ऐसे प्रावधान नहीं थे

वेणुगोपाल ने गृह मंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यदि 2010 में यूपीए सरकार द्वारा बनाए गए मूल एफसीआरए कानून में ऐसे प्रावधान थे तो सरकार उन्हें सार्वजनिक करे। उनका आरोप है कि ये सभी कठोर प्रावधान बाद में मोदी सरकार ने जोड़े हैं और इनका उद्देश्य नागरिक समाज को नियंत्रित करना है।

सरकार का पक्ष : केंद्र सरकार का कहना है कि एफसीआरए में किए गए बदलावों का उद्देश्य विदेशी चंदे की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और जवाबदेह बनाना है। गृह मंत्रालय के अनुसार हाल ही में शुरू किया गया एफसीआरए 2.0 पोर्टल आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाएगा, कागजी कार्यवाही कम करेगा और विदेशी अंशदान की रियल-टाइम निगरानी सुनिश्चित करेगा। सरकार का यह भी कहना है कि ये कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी फंड के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यक हैं।

म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे आदित्य, मिलाप करेंगे निर्देशन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर जल्द ही डायरेक्टर मिलाप जावेरी की एक नई फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह एक्शन और बेहतरीन गानों से भरपूर एक अनोखी म्यूजिकल लव स्टोरी होगी। फिल्म निर्माता भूषण कुमार और आदित्य रॉय कपूर एक बार फिर साथ आ रहे हैं। इससे पहले दोनों आशिकी 2 और मलंग जैसी हिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब दोनों साथ में एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे। मिलाप जावेरी और आदित्य रॉय कपूर एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। मिलाप जावेरी ने कहा कि आदित्य में प्यार और दर्द को पर्दे पर दिखाने का एक अनोखा टैलेंट है। इस फिल्म में उनका किरदार काफी गहरा और दमदार होगा, जिसे दर्शक बेहद पसंद करेंगे।

लाइफ Style

अंजलि

बिना ऑडिशन धमाल 4 में हुई एंट्री

पहले मैंने टेलीविजन पर काम किया था, इसलिए जो लोग टीवी देखते थे, वे मुझे जानते थे। फिल्म इंडस्ट्री के बहुत ज्यादा लोग मुझे नहीं जानते थे। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने मेरे लिए यह बदल दिया। इंडस्ट्री के लोग मुझे पहचानने लगे। अब किसी को दोबारा परिचय नहीं देना पड़ता है। यह कहना है अभिनेत्री अंजलि आनंद का।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अंजलि आनंद शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'धमाल 4' में कामेडी करती दिख रही हैं। धमाल 4 से जुड़ने को लेकर वह कहती है कि मुझे लगता है कि यह फिल्म मेरे हिस्से में आनी ही थी। जब मेरी डायरेक्टर इंद्र कुमार से मुलाकात हुई, तो हमने करीब ढाई घंटे तक फिल्म की बात ही नहीं की। हम उनकी पुरानी फिल्मों के बारे में बातें करते रहे। फिर उन्होंने बस इतना कहा कि बेटा, मुझे तुम्हारा आडिशन लेने की जरूरत नहीं है। तुम इस फिल्म का हिस्सा हो। मुझे लगता है कि उन्होंने फिल्मों के प्रति मेरा प्यार देखा। उन्होंने मेरा दूसरा कोई काम भी नहीं देखा था, लेकिन शुरू से ही मुझ पर भरोसा किया। अंजलि कहती हैं कि बचपन से धमाल, भागम भाग, भूल भुलैया, गोलमाल से लेकर फिर हेरा फेरी तक मैंने सारी कॉमेडी फिल्में देखी हैं। ये मेरे दोस्तों की भी पसंदीदा फिल्में हैं। उनके डायलॉग आज भी हम सबको जुबानी याद हैं। मैं तो बस उस पल का इंतजार कर रही थी, जब मुझे भी अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा और मैं यह साबित कर पाऊंगी कि मैंने इन सभी फिल्मों से बहुत कुछ सीखा है। अंजलि ने आगे कहा, 'अब उनके साथ परफार्म करने को मिल रहा है। सच कहूं तो मेरा अंदर का बच्चा बहुत खुश था। रितेश देशमुख से जब मैं पहली बार से मिली, तो मैंने उनसे कहा कि आपने जो फिल्म हे बेबी में शावर वाले सीन में गाना गाया था, उसे मैं आज तक नहीं भूल पाई हूं।

हॉलीवुड मसाला

ड्यून 3 में खतरनाक हुई जंग...

लॉस एंजिल्स। ड्यून 3 का आखिरकार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो इस साइंस-फिक्शन सीरीज का आखिरी चैप्टर है। ट्रेलर में शानदार विजुअल्स और इमोशनल ड्रामा की झलक देखने को मिलती है। टिमोथी चालमेट एक बार फिर पॉल एट्राइड्स के रोल में नजर आ रहे हैं। लेकिन इस बार पॉल के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसके नाम पर हो रही जंग के खतरनाक नतीजे हैं। ट्रेलर में वह अपनी ताकत और फैसलों के बोझ से जूझता दिख रहा है। जेंडाया भी ट्रेलर में नजर आती हैं। लेकिन, इस बार पॉल और चानी के रिश्ते में दरार साफ दिखती है। 'ड्यून पार्ट 2' के बाद दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं।

9 साल छोटी गर्लफ्रेंड संग ब्रैड का रिश्ता कनफर्म

नई दिल्ली। एंजेलिना जोली से अलग होने के बाद ब्रैड पिट फिर से प्यार में पड़ चुके हैं। वह खुद से 9 साल छोटी ज्वेलरी डिजाइनर को डेट कर रहे हैं, जिनके साथ उनकी रोमांटिक फोटोज सामने आई है। दरअसल, हॉलीवुड के सुपरस्टार ब्रैड पिट इन दिनों फेमस ज्वेलरी डिजाइनर इनेस डी रेमन को डेट कर रहे हैं। दोनों करीब दो साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने अपना रिश्ता इंस्टाग्राम पर ऑफिशियल किया है। सोशल मीडिया पर ब्रैड पिट और इनेस डी रेमन की लेटेस्ट फोटोज आग लगा रही हैं। ये तस्वीरें टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स की शादी के फंक्शन की हैं। इनेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ब्रैड पिट संग अपनी फोटोज को रीशेयर किया है जिसे सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट लौरी जानोलेटी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। हेयरस्टाइलिस्ट ने दोनों की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'न्यूयॉर्क के एक खास पल के लिए मेरे फेवरेट लवर्स इनेस और ब्रैड पिट।'

मुखबिरः द स्टोरी ऑफ स्पाई का धुरंधर से तुलना

नई दिल्ली। सच्ची घटना पर आधारित एक और नई फिल्म 'मुखबिरः द स्टोरी ऑफ स्पाई' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसे देख यूजर्स 'धुरंधर' से तुलना कर रहे हैं। जिस तरह हमजा ने पाकिस्तान में घुसकर धज्जियां उड़ाई थीं, उसी तरह इस बार हरफन बुखारी है। कई सच्ची घटनाओं पर आधारित 'धुरंधर' के बाद अब एक और जासूसी फिल्म आ रही है, जिसमें 'धुरंधर' जैसा ही दमखम देखने को मिलने वाला है। इस फिल्म का नाम है 'मुखबिरः द स्टोरी ऑफ ए स्पाई' और फिल्म की कास्ट भी काफी दमदार है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जो चर्चा में है। मालूम हो कि पहले 'मुखबिर' एक वेब सीरीज के तौर पर रिलीज की गई थी, पर अब फिल्म बनाकर रिलीज की जा रही है। जिस तरह 'धुरंधर' में मौत की सजा पाए जसकीरत सिंह रंगी को एक भारतीय जासूस बनाकर पाकिस्तान हमजा अली मजारी के नाम से भेजा जाता है।

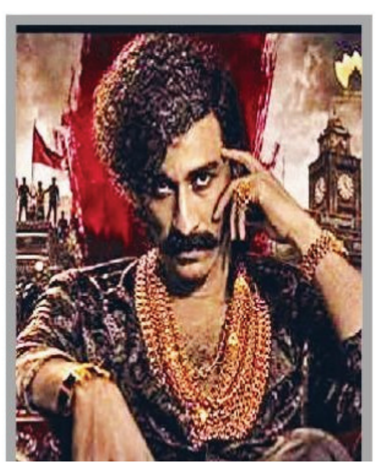

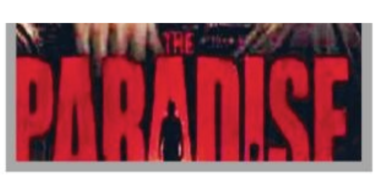

द पैराडाइज से राघव का नया पोस्टर जारी

मुंबई। फिल्म 'द पैराडाइज' में राघव जुयाल अहम भूमिका में नजर आएंगे। उनके किरदार का नाम विक्रम मालिक है। इस फिल्म में अभिनेता का नेगेटिव रोल है। शुक्रवार को राघव के जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म से उनका पोस्टर रिलीज किया है। इसके साथ शुभकामनाएं दी हैं। राघव जुयाल ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसी के साथ 'द पैराडाइज' से राघव के किरदार की झलक दिखाई है। सामने आए पोस्टर में राघव जुयाल मुंह में सिगरेट दबाए धुआं के छल्ले बना रहे हैं। काला चश्मा लगा रखा है और तीखे तेवर के साथ देख रहे हैं। उनका यह लुक किसी खूंखार डॉन जैसा है। किल और बैड्स ऑफ बॉलीवुड में राघव जुयाल पहले ही अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। अब वे तेलुगु फिल्म में अपने अभिनय का जलवा दिखाएंगे। इसके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया है और अपने लुक पर काफी काम किया है।

टीवी मसाला

रक्तांचल 3 में बदला और वर्चस्व का खूंखार खेल, आमने-सामने विजय-वसीम

नई दिल्ली। पूर्वांचल में माफिया की असल कहानी पर बनी वेब सीरीज 'रक्तांचल' के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। विजय सिंह और वसीम खान एक बार फिर आमने सामने हैं। इस बार बात सिर्फ बदले की नहीं है, बल्कि राजनीति के बदलते समीकरण और धोखेबाजी की भी है। रितम श्रीवास्तव के डायरेक्शन में बनी यह सीरीज 16 जुलाई से स्ट्रीम होगी। कहानी सिद्धार्थ मिश्रा ने लिखी है। समय ने बहुत कुछ छीना है हमसे, अब क्रोध भी नहीं है, सिर्फ एक आग है... ''रक्तांचल' सीजन 3' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हो गया है और पहले ही कुछ सेकेंड में विजय सिंह के किरदार का यह डायलॉग टोन सेट कर देता है। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस वेब सीरीज का करीब दो मिनट का यह ट्रेलर हमें पूर्वांचल के उस खूंखार इलाके में वापस ले जाता है, जहां विजय सिंह और वसीम खान की पुरानी दुश्मनी, दबी हुई नफरत और सत्ता के नए खेल एक बार फिर भड़कने को तैयार हैं। कहानी पूर्वी उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल इलाके के दो मशहूर माफिया की 1980 के दशक की असल घटनाओं से प्रेरित है। सीरीज में क्रांति प्रकाश झा और निकितिन धीर लीड रोल में हैं। जब 2020 में इसका पहला सीजन और फिर 2022 में दूसरा सीजन रिलीज हुआ था, तब इस सीरीज की हिंसक और राजनीतिक दुनिया ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। अब तीसरे सीजन में बात वर्चस्व से आगे बढ़कर बदले की है।

हिना और रुबिना का नया टॉक शो हुआ ट्रोल

नई दिल्ली। टीवी के चर्चित सितारे भी अक्सर विवादों का हिस्सा बनते हैं। हाल ही में टीवी सेलेब्स से जुड़ी कुछ कंट्रोवर्सीज पर रुबिना दिलैक और हिना खान ने अपने नए टॉक शो में बात की। यह बातचीत फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स को नहीं पसंद आई। इस वजह से दोनों एक्ट्रेसेस को ट्रोल भी किया गया है। रुबिना दिलैक ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपने नए शो 'पीओवी' का एक वीडियो शेयर किया। इसमें रुबिना के पति और एक्टर अभिनव शुक्ला भी नजर आए। साथ ही हिना खान और उनके पति रॉकी भी मौजूद दिखे। यह चारों शिल्पा शिंदे और आकांक्षा चमोला जैसी टीवी एक्ट्रेसेस की पिछली कंट्रोवर्सी पर चर्चा कर रही थीं। दोनों को लेकर अपने विचार जाहिर कर रही थीं। जब फैंस ने हिना खान और रुबिना के टॉक शो का वीडियो देखा तो उन्होंने खरी-खोटी सुना दी। दरअसल, यह दोनों ही टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस हैं, दोनों की अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। इन्हें इस तरह से दूसरों एक्टर्स की कंट्रोवर्सी पर बात करते देख, फैंस को अच्छा नहीं लगा। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इन्हें खूब ट्रोल किया।

सिलक्यारा टनल हादसे पर बनेगी फिल्म, कबीर होंगे निर्देशक

मुंबई। आमिर खान प्रोडक्शंस, माइंड ब्लोइंग फिल्म्स और कबीर खान फिल्म्स ने नई फिल्म 'सिलक्यारा 41' का ऐलान किया है। अपकमिंग फिल्म भारत के उत्तराखंड में मौजूद सिलक्यारा टनल में हुए अद्भुत बचाव अभियान पर आधारित होगी। इस अभियान में विक्टोरिया (ऑस्ट्रेलिया) के स्थानीय हीरो और दुनिया भर में मशहूर टनलिंग एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने शानदार काम किया था। इस फिल्म को अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय फिल्ममेकर कबीर खान डायरेक्ट करेंगे। इसे मशहूर ऑस्ट्रेलियाई स्क्रीनराइटर एंड्रयू एनास्टासियोस (द वॉटर डिवाइनर) ने लिखा है। यह फिल्म भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक रोमांचक साझेदारी को दिखाएगी। फिल्म के बारे में बात मेकर्स ने बताया 'हमें माइंड ब्लोइंग फिल्म्स और आमिर खान प्रोडक्शंस के बीच इस अहम सहयोग की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। सिलक्यारा टनल बचाव अभियान की कहानी ने मुझे गहराई से प्रभावित किया है। यह नामुमकिन हालात में हिम्मत, मजबूती, सूझ-बूझ और इंसानियत की कहानी है। हमें इस ऐतिहासिक दिन पर इसकी घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया अपने आपसी रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं।' ऐसे समय में जब दोनों देशों के नेता और प्रतिनिधिमंडल रिश्तों को मजबूत करने और आपसी सहयोग के नए दौर की शुरुआत करने के लिए मिल रहे हैं।

राजेश ने माचिस से शुरू किया कॅरियर परिणीता फिल्म से मिली शोहरत

नई दिल्ली। बॉलीलुड और बंगाली फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेता राजेश शर्मा इन दिनों चर्चा में हैं। खबर है कि वह हैदराबाद में प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'फौजी' की शूटिंग में बिजी थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजेश शर्मा कई दशकों से इंडस्ट्री में हैं। फिल्मों और टीवी शो में काम करने वाले इस स्टार ने कई हिट प्रोजेक्ट्स में काम किया है। उनका जन्म 8 अक्टूबर 1970 को लुधियाना, पंजाब में हुआ था। उन्हें कम उम्र में ही एक्टिंग का शौक हो गया था। इसी वजह से उन्होंने नई दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में ट्रेनिंग ली। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की थी। एक एक्टर के तौर पर उनकी पहली फिल्म 1996 में आई 'माचिस' थी। उन्होंने कई बंगाली फिल्मों में काम किया, जिसके बाद 2003 में 'परिणीता' फिल्म से शोहरत मिली। तब से, उन्होंने कई बड़े बजट की फिल्मों में काम किया है और भारतीय सिनेमा में लगातार सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभा कर अपने फैंस का दिल जीता है।

कीड़े काटने से बीमार

प्रभास की आने वाली फ़िल्म की शूटिंग के दौरान कथित तौर पर कीड़े के काटने से बीमार पड़े लोकप्रिय बंगाली अभिनेता राजेश शर्मा अब भी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। फिलहाल वह ख़तरे से बाहर हैं और डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं।

इन बड़ी फिल्मों में किया काम

राजेश शर्मा की बेहतरीन फिल्मों में भूल भुलैया 3, पीकू, खोसला का घोसला, द डर्टी पिक्चर, टॉयलेटः एक प्रेम कथा, तनु वेड्स मनु' और कई अन्य शामिल हैं। उन्हें स्पेशल 26 और एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी से खासा पहचान मिली। राजेश शर्मा ने साल 2005 में बंगाली अभिनेत्री सुदीप्ता चक्रवर्ती के साथ शादी की थी।

रिलीज होते ही रच दिया था इतिहास, आज भी किया जाता है पसंद

लाइटर को जलाते हुए बना किशोर कुमार का ब्लॉकबस्टर गाना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फिल्मों में जितनी अहम स्टोरी होती है, उतना ही उसके गानें। आज हम आपको किशोर कुमार के एक गाने के बारे में बताते हैं। इस गाने को किशोर कुमार की आवाज, आर डी बर्मन के म्यूजिक और आनंद बख्शी के लिरिक्स ने सुपरहिट बना दिया था। इतना ही नहीं आप हैरान हो जाएंगे कि इस गाने का सिगरेट जलाते हुए लाइटर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा है।

लाइटर जलाने से जुड़ा गाने को लेकर किस्सा

इस गाने को लेकर विशाल ददलानी ने बताया था। उन्होंने एक रिएलिटी शो के दौरान कहा था कि पंचम दा सारी रात काम करके उन्होंने गाना बनाया था। जब धुन बनकर तैयार हो गई तो उन्होंने फिर इसे आनंद बख्शी को दिया ताकि वो इसके लिरिक्स लिख सकें। उस समय अब बारिश का मौसम था। आनंद बख्शी रात में घर जा रहे थे और रास्ते में वह सिगरेट जलाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन बारिश की वजह से उनका लाइटर जल नहीं रहा था और बार-बार वो बुझ रहा था। तभी उनके दिमाग में एक लाइन आई कि चिंगारी कोई भड़के तो सावन उसे बुझाए। बस इसी के बाद उन्होंने गानों की शुरुआत की।

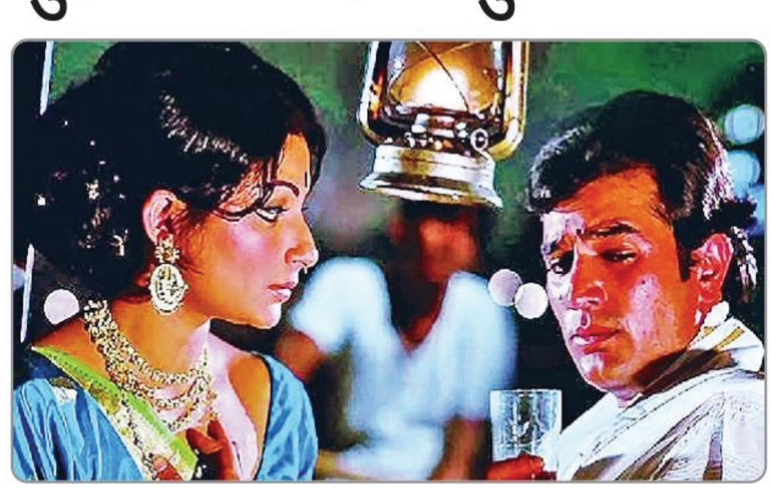

कौनसा था वो गाना

हम जिस गाने की बात कर रहे हैं वो है चिंगारी कोई भड़के। यह गाना फिल्म अमर प्रेम का है जिसमें राजेश खन्ना, शर्मिला टैगौर, विनोद मेहरा अहम किरदार में थे। अब आपको बताते हैं इस गाने से जुड़ा दिलचस्प किस्सा।

बख्शी साहब ने अमर बना दिया गाना

विशाल ने फिर कहा था, 'असली कलाकार वही होते हैं जो जिंदगी की साधारण घटनाओं को इतना खूबसूरत बना दें कि वो हमेशा के लिए लोगों के दिल में बस जाए। एक आम इंसान शायद इस घटना को नजरअंदाज कर देता, लेकिन बख्शी साहब जैसे गीतकार ने उस मोमेंट को उन लाइन से गाने को अमर बना दिया।'यह गाना काफी सुपरहिट हुआ था और आज भी इस गाने को काफी पसंद किया जाता है।

आरडी बर्मन ने की थी खूब मेहनत

आईएमडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक आर डी बर्मन इस फिल्म के दौरान अपने कमरे में जाते और सुबह 9 बजे से लेकर रात के 9 बजे तक काम करते थे। वहीं, इस फिल्म का दूसरा गाना ये क्या हुआ, कैसे हुआ 1970 में आई बंगाली फिल्म राजकुमारी का पूरा कॉपी था जो था ये कि होलो। इस गाने को किशोर कुमार ने गाया था और म्यूजिक आर डी बर्मन ने दिया था।

बंगाली डायरेक्टर ने इंग्लिश में लिखी थी स्क्रिप्ट

बंगाली राइटर और डायरेक्टर अरविंद मुखर्जी को हिंदी नहीं आती थी इसलिए उन्होंने अमर प्रेम की स्क्रिप्ट इंग्लिश में लिखी थी। इसके बाद राइटर रमेश पंद ने उसे पूरा हिंदी में ट्रांसलेट किया, सिर्फ एक लाइन को छोड़कर पुष्पा आई हेट टियर्स।

स्वच्छता केवल शासन प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य : रेना जमील

शहर के छठ तालाब में चला स्वच्छता अभियान, श्रमदान कर की गई परिसर की साफ सफाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल सूरजपुर निर्माण के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन में शनिवार को नगर पालिका परिषद द्वारा बड़कापारा छठ तालाब परिसर में जिला स्तरीय श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों , विद्यार्थियों और नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया।

श्रमदान के दौरान तालाब परिसर की साफ-सफाई के साथ पौधारोपण भी किया गया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि स्वच्छता केवल शासन या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने घरों, मोहल्लों और आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा नियमित रूप से सामूहिक श्रमदान में भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित और जागरूक समाज की पहचान उसकी स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता से होती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प ले, तो पूरा जिला स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बन सकता है। उन्होंने नागरिकों से शासन एवं जिला प्रशासन के साथ मिलकर जनहित के कार्यों में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल एवं पार्षदगण सहित कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर, जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी, नगरपालिका के कर्मचारी तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता को केवल एक अभियान न मानें, बल्कि इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। प्रत्येक व्यक्ति का छोटा-सा प्रयास ही स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित सूरजपुर की मजबूत नींव बनेगा।

मुख्यमंत्री हेल्पलाईन से समस्या का हुआ त्वरित समाधान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। इसी क्रम में विकासखंड बलरामपुर के ग्राम भवानीपुर में ट्रांसफार्मर के पास केबल खराब होने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने संबंधी शिकायत श्री अभिषेक यादव द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज कराई गई। केबल खराब होने से गांव के लगभग 40 परिवार बिजली समस्या से प्रभावित थे।

शिकायत प्राप्त होते ही विद्युत विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी दल को तत्काल मौके पर भेजा। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आवश्यक परीक्षण एवं मरम्मत कार्य कर विद्युत आपूर्ति सुचारु रूप से सुचारू कर दी गई। इसके बाद भवानीपुर के लगभग 40 प्रभावित परिवारों को पुनः निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने लगी, जिससे उन्हें राहत मिली।

संदिग्ध दस्तावेज के आधार पर लाइसेंस प्राप्त करने वाले मेडिकल एजेंसी का लाइसेंस निरस्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। औषधि लाइसेंस प्राप्त करने के लिए संदिग्ध दस्तावेज प्रस्तुत करने के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए शहर के भैयाथान रोड स्थित आर.डी. लक्ष्मी मेडिकल एजेंसी का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। बताया गया है कि राधेश्याम गुप्ता द्वारा प्रस्तुत शिकायत पत्र के माध्यम से उक्त मेडिकल एजेंसी के विरुद्ध संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर औषधि लाइसेंस प्राप्त करने की शिकायत कार्यालय को प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर संबंधित प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विभाग द्वारा सभी अभिलेखों, शिकायत आवेदन तथा उपलब्ध दस्तावेजों का विस्तृत परीक्षण किया गया। इस जांच प्रक्रिया के दौरान मेसर्स आर.डी. लक्ष्मी मेडिकल एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। फर्म द्वारा प्रस्तुत उत्तर, विभिन्न विभागीय अधिकारियों के अभिमत एवं प्रतिवेदन के सम्यक परीक्षण के उपरांत यह पाया गया कि प्रकरण में अनियमितताएं पाई गई हैं। उक्त सभी तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 तथा नियमावली 1945 के तहत नियमानुसार कार्रवाई करते हुए औषधि अनुज्ञप्ति निरस्त कर दिया गया है।

पुलिस ने 21 लाख के जप्त नशीले पदार्थ किया नष्ट, एसएसपी ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को 21 लाख कीमत के नशीले पदार्थों को नष्ट किया है। पुलिस लाईन परिसर में अस्थायी भट्ठे में मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट के 10 प्रकरणों में जब्त 32 किलो 247 ग्राम गांजा, 45 नग गांजा का पौधा, 590 इंजेक्शन, 176 कफ सिरप एवं 2592 नग कैप्सूल को नष्ट किया गया जिसकी अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रूपये है।डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि यह कार्रवाई केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना और छत्तीसगढ़ शासन के 21 नवंबर 2024 के निर्देशों के अनुसार की गई। नष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया निर्धारित समिति की उपस्थिति में, वीडियोग्राफी एवं दस्तावेजीकरण के साथ की गई है। नष्टीकरण की प्रक्रिया डीआईजी व एसएसपी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, जिला आबकारी अधिकारी अनिल मित्तल, क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मण्डल के पंचान व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। जि ल ा पुलिस ने युवाओं व नागरिकों को नशे से बचाने के लिए भविष्य में भी निरंतर मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्यवाही करने के लिए दृढ़ संकलित है। इस दौरान रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक जावेद मियादांद, प्रधान आरक्षक आशाराम लकड़ा, आरक्षक सोहेल राजा व उदय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

मोर गांव मोर पानी अभियान से मजबूत हो रही जल सुरक्षा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में जल संरक्षण की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 के अंतर्गत जिले में वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को संरक्षित कर भू-जल स्तर में वृद्धि, जल स्रोतों के पुनर्जीवन तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृहद स्तर पर कंटूर ट्रेंच निर्माण कराया जा रहा है। जिससे आने वाले समय में जिले की जल सुरक्षा को मजबूत बनाने के साथ-साथ कृषि और ग्रामीण आजीविका को भी नई मजबूती मिलेगी।

जिले में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में वैज्ञानिक पद्धति से कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें विकासखण्ड शंकरगढ़, कुसमी, राजपुर, रामचन्द्रपुर शामिल हैं। जहां कंटूर ट्रेंच के माध्यम से वर्षा का पानी बहकर नष्ट होने के बजाय भूमि में समाहित हो रहा है, जिससे भू-जल का पुनर्भरण तेजी से हो रहा है। इसके साथ ही मिट्टी के कटाव पर नयंत्रण हो रहा है और खेतों की उर्वरता भी संरक्षित हो रही है।

अभियान के तहत अब तक जिले में 2,500 कंटूर ट्रेंच का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इन संरचनाओं के माध्यम से लगभग 40.08 लाख लीटर वर्षा जल का संचयन एवं भू-गर्भ में अवशोषण सुनिश्चित हुआ है। वर्षा जल के संरक्षण से आसपास के क्षेत्रों में कुओं, बोरवेल तथा अन्य जल स्रोतों के जलस्तर में वृद्धि होने की संभावना बढ़ी है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल एवं सिंचाई की उपलब्धता को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

जिले में रिज टू वैली वाटरशेड अवधारणा के अनुरूप कुल 10 कार्यों के अंतर्गत 5,124 कंटूर ट्रेंच का निर्माण कराया जा रहा है। इस तकनीक में पहाड़ियों एवं ऊंचाई वाले क्षेत्रों से तेज गति से बहने वाले वर्षा जल को छोटे-छोटे ट्रेंचों में रोककर भूमि के भीतर समाहित किया जाता है। इससे न केवल बहुमूल्य वर्षा जल का संरक्षण होता है, बल्कि मिट्टी का कटाव रुकता है, निचले क्षेत्रों के खेतों में लंबे समय तक नमी बनी रहती है तथा फसलों को प्राकृतिक रूप से आवश्यक जल उपलब्ध होता है।

कंटूर ट्रेंच निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भू-जल स्तर में सुधार होने से गर्मी के मौसम में जल संकट की स्थिति कम होगी, किसानों को सिंचाई के लिए बेहतर जल उपलब्धता मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों का पुनर्जीवन संभव होगा। इससे कृषि उत्पादन बढ़ाने, हरित आवरण को सुदृढ़ करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में भी सहायता मिलेगी।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सेजस केतका में हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, थॉमस एक्का के मार्गदर्शन में विश्व जनसंख्या दिवस पर स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केतका में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विश्व जनसंख्या दिवस के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या एवं सीमित संसाधनों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को न्यायिक व्यवस्था, सुनियोजित अपराध एवं पारिस्थितिक अपराध के मध्य अंतर, अपराधों की गंभीरता तथा उनके लिए निर्धारित दंडात्मक प्रावधानों की जानकारी सरल भाषा में दी।उन्होंने कहा कि समाज में अपराधों की रोकथाम के लिए प्रत्येक नागरिक का कानून के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए किशोर न्याय से संबंधित वर्तमान कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला। श्री वारियाल ने बाल विवाह के दुष्परिणामों, विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भविष्य पर पड़ने वाले उसके दीर्घकालिक प्रभावों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने अपने छात्र जीवन एवं न्यायाधीश बनने तक के संघर्षों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने और जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने तथा इंटरनेट एवं मोबाइल का उपयोग ज्ञानवर्धन एवं सकारात्मक कार्यों के लिए करने की सलाह दी। साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता एवं अन्य सेवाओं की जानकारी देते हुए घर बैठे कानूनी सहायता प्राप्त करने हेतु नालसा के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 की उपयोगिता से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य शशिकांत भारती, दिनेश कुमार सिंह, मंच संचालक उग्रसेन प्रसाद, समस्त शिक्षकगण तथा पैरा लीगल वॉलेंटियर्स सत्य नारायण, बृजवासी सिंह एवं उमेश कुमार रजवाड़े उपस्थित रहे।

लंबित मांगों को लेकर तृतीय वर्ग कर्म.संघ ने मुख्यमंत्री के नाम विधायक को सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के द्वारा शनिवार को मुख्यमंत्री के नाम पर विधायक भूलन सिंह को ज्ञापन सौपा गया। संघ की प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा लिए गए निर्णय एवं संबद्ध संगठनों के सहमति अनुसार मोदी की गारंटी नाम से कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा को लागू करने के लिए संदर्भित ज्ञापन तहसील और जिला मुख्यालय में कलेक्टर, एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम पर 19 जून के8 सौंपा गया था। पुनः स्मरण करातें हुए प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह के माध्यम से ज्ञापन सौपा गया।

यह है मांगे

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल, न्यायिक सेवा अधिकारी एवं अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को केंद्र की तिथि 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत किया गया है किंतु प्रदेश के 4.50 लाख अधिकारी एवं कर्मचारियों को उक्त लाभ से वंचित रखा गया है छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्रीय कर्मचारियों की भाती देय तिथि से महंगाई भत्ता तथा पेंशनरों को महंगाई राहत दिया जावे एवं डी.ए.एरियर्स की राशि जीपीएफ खाते में समायोजित किया जावे। विधानसभा के बजट सत्र में वित्त मंत्री द्वारा कर्मचारी एवं अधिकारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा की गई है किंतु अभी तक नियम निर्देश जारी नहीं किए गए हैं कर्मचारी हित में आदेश तत्काल जारी किया जावे,केंद्रीय कर्मचारीयो एवं अविभाजित मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की भांति सेवानिवृत्ति पर छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को भी 240 दिन के स्थान पर 300 दिनों का अवकाश नगदीकरण आदेश जारी किया जावे, संविदा, दैनिक वेतन भोगी, अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जावे तथा मध्य प्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जावे, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए शिक्षक एलबी संवर्ग को समस्त सेवा का लाभ दिया जावे ,प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति की 10 प्रतिशत सीलिंग समाप्त करते हुए अनुकंपा नियुक्ति के सभी पदों पर अनुकंपा नियुक्ति, मोदी की गारंटी के अनुसार कर्मचारी हित में इन बिंदुओं को जल्द से जल्द निराकरण करने की कार्रवाई सुनिश्चित हो। ज्ञापन के दौरान मनीष दीपक साहू जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, आदित्य शर्मा जिला अध्यक्ष स्वास्थ्य संयोजक, महेश पैकरा जिला सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, विंधेश गुप्ता ब्लॉक अध्यक्ष स्वास्थ्य संयोजक संघ, रवि पैकरा उपस्थित रहे।

न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी
उपवनमण्डल-सूरजपुर, जिलाः सूरजपुर (छ.ग.)

सूचना

एतद् द्वारा अधोलिखित वाहन के सर्व संबंधितों एवं हितबद्धों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 20.08.2024 को वनपरिक्षेत्र-सूरजपुर अंतर्गत निम्नलिखित वाहन को अवैध रुप से ईमारती लकड़ी परिवहन करते हुये पाये जाने पर जप्त किया जाकर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52, 33 छत्तीसगढ़ वनोपज व्यापार (विनियम) अधिनियम 1969 की धारा 5, 15, 16 के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 12356/22 दिनांक 20.08.2024 पंजीबद्ध किया गया है।

जप्त वनोपज एवं वाहन का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	वाहन का प्रकार एवं वाहन क्रमांक	इंजिन क्रमांक	चेसिस क्रमांक	जप्त वनोपज की मात्रा
01	महिन्द्रा बोलेरो पिकप पंजीयन क्रमांक CG-15 AC-3740	GHE1E36326	MA1ZN2GHKE1E45810	साल प्रजाति लट्ठा 8 नग = 1391 घ.मी.

उक्त जप्तशुदा वाहन एवं वनोपज के राजसात की कार्यवाही सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) के न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त जप्तशुदा महिन्द्रा बोलेरो पिकप पंजीयन क्रमांक-CG15 AC-3740 इंजिनं क्रमांक GHE1E36326 चेसिस क्रमांक MA1ZN2GHKE1E45810 के अधिहरण के कार्यवाही के विरुद्ध यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई स्वामित्व प्रस्तुत करना हो तो वे प्रकाशन तिथी के 15 दिवस या इसके पूर्व इस न्यायालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से उचित दस्तावेजों सहित अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के बाद कोई आवेदन मान्य नहीं की जावेगी एवं प्रकरण में राजसात की एक पक्षीय कार्यवाही करते हुये आदेश पारित कर दी जावेगी।

सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं
उप वनमण्डलाधिकारी
उप वनमण्डल सूरजपुर

जी-262702018/1

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने किया ओड़गी एवं झिलमिली थाने का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, थॉमस एक्का के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर की सचिव सुश्री पायल टोपनो द्वारा थाना ओड़गी एवं झिलमिली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

यह निरीक्षण बचपन बचाओ आंदोलन के अंतर्गत थानों में नियुक्त पैरा लीगल वॉलंटियर्स के कार्यों की समीक्षा करने के उद्देश्य से किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने थाना तक आने वाले फरियादियों, विशेष रूप से बच्चों से संबंधित मामलों की निगरानी, गरीब एवं कमजोर वर्गों तक निःशुल्क विधिक सहायता एवं सुगम न्याय पहुंचाने में पैरा लीगल वॉलंटियर्स की भूमिका की विस्तृत समीक्षा की। सचिव ने दोनों थाना प्रभारियों से पैरा लीगल वॉलंटियर्स की उपस्थिति, उनके दायित्वों एवं अब तक किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही थाना में आम नागरिकों के लिए उपलब्ध डिजिटल एवं भौतिक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि थाना ओड़गी एवं थाना झिलमिली में नियुक्त दोनों पैरा लीगल वॉलंटियर्स बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित थे। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिए गए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर का उद्देश्य आमजन, विशेषकर बच्चों, महिलाओं, गरीब एवं कमजोर वर्गों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाना तथा न्याय तक उनकी सहज पहुंच सुनिश्चित करना है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता से कराएं-आईजी

जशपुर पुलिस के तर्ज पर रेंज के अन्य जिलों में भी जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम तथा आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा द्वारा रेंज के सभी यातायात नोडल अधिकारियों एवं ई-डीएआर के डीआरएम सदस्यों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों, ब्लैक स्पॉट्स में आवश्यक सुधार, डॉयल-112 के रिस्पॉन्स टाइम, ई-चालान तथा यातायात जन-जागरूकता अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई।

पुलिस महानिरीक्षक ने निर्देशित किया कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग एवं परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता से कराए जाएं। इनमें तीखे मोड़ों एवं खतरनाक ढलानों में सुधार, बड़े गड्ढों की शीघ्र मरम्मत, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों से पहले बड़े एवं स्पष्ट चेतावनी संकेतक बोर्ड, रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड, थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार रंबल स्ट्रिप्स एवं अन्य गति नियंत्रण उपाय शामिल हैं। बैठक में बताया गया कि पूर्व में चिन्हित कुछ दुर्घटना संभावित स्थलों पर संकेतक बोर्ड, रोड मार्किंग एवं अन्य सुधारात्मक उपाय करने के बाद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। एनएच-43 के नावापारा ब्लैक स्पॉट, सम्राट पेट्रोल पंप के समीप तथा कटनी-गुमला मुख्य मार्ग के लुण्ड्रा चौक पर किए गए सुधारों के बाद दुर्घटनाओं में कमी देखी गई है। आईजी ने इन सफल उदाहरणों का अध्ययन कर रेंज के अन्य जिलों में भी इसी प्रकार प्रभावी सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आईजी ने यातायात जागरूकता के क्षेत्र में जशपुर पुलिस द्वारा एक ही दिन में 766 गांवों में यातायात जन-चौपाल आयोजित कर हेलमेट, सीट बेल्ट एवं यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के अभियान की सराहना की और रेंज के अन्य जिलों को भी इसी प्रकार व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेजों, हाट-बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर जन-चौपाल, बैनर, पोस्टर, पम्पलेट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से यातायात नियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 'राह-वीर योजना' के संबंध में भी आम नागरिकों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए, ताकि सड़क दुर्घटना के घायलों को समय पर सहायता मिल सके और जनभागीदारी के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु को कम किया जा सके। बैठक में सरगुजा रेंज के समस्त यातायात नोडल अधिकारी, ई-डीएआर के डीआरएम सदस्य एवं रेंज कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉयल-112 के रिस्पॉन्स टाइम को न्यूनतम करने पर जोर

डायल-112 के कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आईजी ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सूचना प्राप्त होते ही उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए घटनास्थल पर यथाशीघ्र पहुंचकर पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा रिस्पॉन्स टाइम में निरंतर सुधार किया जाए। उन्होंने निजी आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाओं में भी जीपीएस आधारित ट्रैकिंग की संभावनाओं पर संबंधित एजेंसियों से समन्वय करने तथा पुलिस कंट्रोल रूम एवं डॉयल-112 के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में पहल करने के निर्देश दिए।

सभी जिलों में ई-चालान के प्रभावी उपयोग के निर्देश

यातायात नियमों के उल्लंघन पर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा के दौरान बताया गया कि, वर्तमान में जिला सरगुजा एवं एमसीबी में ई-चालान पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। आईजी ने रेंज के अन्य जिलों को भी आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त कर मोटरयान अधिनियम के तहत ई-चालान प्रणाली का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जमीन विवाद में लात-मुक्कों से हत्या, आरोपी को पुलिस ने दबोचा

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज दौरान हुई थी कामेश्वर मझवार की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना लखनपुर पुलिस ने हत्या के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जमीन और घर बनाने को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने मृतक की लात-मुक्कों से पिटाई कर दी थी, उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने पूर्व में मर्ग कायम किया था।

जानकारी के मुताबिक, धुंधुराम मझवार, निवासी ग्राम तिरकेला दोगाडांडपारा ने चौकी कुन्नी में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसके चचेरे बड़े भाई कामेश्वर मझवार, निवासी तिरकेला ठेपापारा को 26 जून को तबीयत खराब होने पर लखनपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया, यहां 27 जून को उसकी मृत्यु हो गई। सूचक ने शंका जताई कि किसी व्यक्ति द्वारा मारपीट के कारण आई चोट से

कामेश्वर की मौत हुई है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया, और मामले की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, प्रधान आरक्षक सतीश कुमार, बलभद्र ठाकुर, आरक्षक राजेंद्र तिर्की, जगेश्वर बघेल, चंचलेश सोनवानी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर ने मृत्यु का कारण हत्यात्मक प्रकृति का होना बताया। जांच में सूचक ने पूरक कथन में बताया कि 26 जून को कामेश्वर का फुटकू मझवार से झगड़ा हुआ था। इसी दौरान फुटकू ने लात-मुक्कों से कामेश्वर की जमकर मारपीट की थी। मारपीट के बाद फुटकू ही कामेश्वर को एंबुलेंस से लखनपुर अस्पताल ले गया और 'इलाज कराऊंगा' कहकर अस्पताल से भाग गया था। गवाहों के कथन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामले में धारा 103(1) बीएनएस पंजीबद्ध किया, और आरोपी फुटकू मझवार पिता स्व. बंधु मझवार, 40 वर्ष, निवासी ग्राम तिरकेला ठेपापारा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने जमीन और घर बनाने को लेकर विवाद पर गुस्से में आकर कामेश्वर की लात-मुक्कों से मारपीट करके हत्या करना स्वीकार कर लिया है।

होली क्रॉस स्कूल में वन महोत्सव: बच्चों ने लगाए 50 पौधे

'वृक्ष ही जीवन हैं, इनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी'- वनमण्डलाधिकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। पर्यावरण संरक्षण और वन विकास के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अंबिकापुर के इको क्लब और लिटरेरी क्लब द्वारा शनिवार 11 जुलाई को स्कूल परिसर में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कोरिया जिले की वनमण्डलाधिकारी श्रीमती प्रभाकर टोप्पो (भा.व.से.)मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य डॉ. सि. जेस्सी ने की। अभियान की शुरुआत सुबह 8 बजे हुई। मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य की उपस्थिति में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ मौलसिरी के पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के बाद स्कूल के लोअर ग्राउंड में लगभग 50 पौधे लगाए गए।

लुप्त होती प्रजातियों के संरक्षण पर जोर

मुख्य अतिथि श्रीमती प्रभाकर टोप्पो ने प्राचार्य को लाल चन्दन और दहिमन के पौधे भेंट किए। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'वृक्षारोपण अत्यंत पुनीत कार्य है। वृक्ष ही धरती पर जीवन बनाए रखते हैं। यदि वनों का विस्तार नहीं किया गया तो ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम चक्र बदलेगा और मानव जाति के सामने जीवन की बड़ी चुनौती खड़ी होगी। उन्होंने बताया कि लाल चन्दन कर्नाटक और पश्चिमी घाट में पाया जाता है, जबकि दहिमन बैकुण्ठपुर-मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र की

औषधीय गुणों से भरपूर लेकिन विलुप्त होती प्रजाति है। इसका संरक्षण करना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है।

प्राचार्य ने कहा-पर्यावरण रक्षा साझा जिम्मेदारी

प्राचार्य डॉ. सि. जेस्सी ने कहा कि 'पर्यावरण की रक्षा करना हमारी साझा जिम्मेदारी है। सार्थक पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत व्यक्तिगत प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास से होती है।' उन्होंने कहा कि आज लगे ये पौधे बड़े होकर आने वाली पीढ़ी को छाया देंगे और पर्यावरण के प्रति संकल्प की याद दिलाएंगे।

संकल्प के साथ हुआ समापन

कार्यक्रम का समापन छात्रों द्वारा प्रकृति की रक्षा और संरक्षण करने के संकल्प के साथ हुआ। इसमें युवा पीढ़ी में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के सभी शिक्षकों और छात्रों का विशेष सहयोग रहा।

लखनपुर नपं का कारनामा: 22.50 मीटर की जगह 13 मीटर दूरी छोड़कर दुकान निर्माण

सियासी जंग: उपाध्यक्ष नेहा बंसल ने निरीक्षण करके काम रूकवाया, सीएमओ व इंजीनियर निशाने पर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर/लखनपुर। लखनपुर नगर पंचायत की कार्यप्रणाली एक बार फिर कटघरे में है। वार्ड क्रमांक 08, पुराना बस स्टैंड हमर क्लिनिक के पास चल रहे दुकान निर्माण को लेकर शनिवार की सुबह बड़ा बवाल हुआ। नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा सन्नी बंसल ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को नियम विरुद्ध बताते हुए सीएमओ और उप अभियंता पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के मुताबिक, शनिवार की सुबह 10 बजे दुकान निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों की शिकायत पर उपाध्यक्ष नेहा बंसल मौके पर पहुंचीं, उनके साथ उप अभियंता प्रदीप एक्का, पार्षद और नगर पंचायत के कर्मचारी भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने पाया कि कलेक्टर सरगुजा के 28 जुलाई 2025 के आदेशानुसार अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग, एनएच से 22.50 मीटर छोड़कर दुकानों का निर्माण होना था, लेकिन नापने पर निर्माण कार्य मुख्य सड़क से महज 13 मीटर के फासले पर ही किया जा रहा था। जब उप अभियंता प्रदीप एक्का से इस संबंध में पूछा गया तो उनका कहना था कि इस कार्य का ले-आउट कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद चिंतामणि महाराज और अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू के समक्ष दिया गया है। सारे काम नियमों के अनुसार हो रहे हैं। इंजीनियर के इस बयान के बाद सियासी पारा चढ़ गया। उपाध्यक्ष और पार्षदों ने सीएमओ व उपअभियंता पर नियम विरुद्ध निर्माण और गुणवत्ता विहीन काम कराने का आरोप लगाया। विवाद के बाद निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। जांच पूरी होने तक काम शुरू नहीं होने की बात कही जा रही है। बहरहाल सवाल यह उठ रहा है कि, किसके संरक्षण में नगर पंचायत में भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है? कलेक्टर के आदेश के बाद भी 9.5 मीटर कम जगह छोड़कर निर्माण कैसे शुरू हो गया? इसकी निगरानी कौन कर रहा था? देखना होगा कि यह मामला कार्रवाई की किस हद को पार कर पाता है।

सीएमओ पर अभद्रता का आरोप

उपाध्यक्ष ने तुरंत मुख्य नगर पालिका अधिकारी को फोन करके मौके पर बुलाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने साफ मना कर दिया। आरोप है कि इनके द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। इसके बाद मामला और गरमा गया। पार्षदों ने सवाल उठाया कि कलेक्टर के आदेश की अवहेलना कर निर्धारित मानकों के खिलाफ निर्माण क्यों कराया जा रहा है?

नपं उपाध्यक्ष नेहा बंसल ने कहा

लखनपुर पार्क में लगा हमर लखनपुर बोर्ड भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है, उसकी वास्तविक लागत वो नहीं है जो बिल में दिखाई गई है। बार-बार बुलाने पर भी सीएमओ मौके पर नहीं आए। वे इस मामले में नगरीय प्रशासन विभाग को पत्र लिखेंगी और दोषियों पर एफआईआर दर्ज करके कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगी। सीएमओ द्वारा अभद्रता पर भी कार्रवाई की मांग की गई है।

सीएमओ का पक्ष-दूसरी ओर सीएमओ ने फोन पर कहा कि 'सारे निर्माण कार्य नियम के अनुरूप ही किए जा रहे हैं।

सरगुजा पुलिस हुई हाईटेक, 102 विवेचकों को मिला स्मार्ट मोबाइल

ई-साक्ष्य संकलन से विवेचना होगी तेज, पारदर्शी और वैज्ञानिक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस विवेचना को अब तकनीक के पंख लग गए हैं। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर सरगुजा जिले के 102 विवेचकों को शनिवार को उच्च तकनीकी क्षमता वाले सैमसंग स्मार्ट मोबाइल वितरित किए गए। इसका उद्देश्य नवीन कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन और ई-साक्ष्य के त्वरित व सुरक्षित संकलन को सुनिश्चित करना है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने थानों में पदस्थ विवेचकों को मोबाइल सौंपा। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा एएसयूएमपी स्कीम 2025-26 (मार्डन स्पेशल प्लान) के तहत जिले को 102 सैमसंग स्मार्ट मोबाइल उपलब्ध कराए गए हैं। इस मौके पर डीआईजी राजेश अग्रवाल ने कहा 'आधुनिक तकनीक के उपयोग से विवेचना की गुणवत्ता और पारदर्शिता में उल्लेखनीय सुधार होगा। अब फील्ड में तैनात विवेचक अपराध स्थल से वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र कर सकेंगे। इन स्मार्ट मोबाइलों की मदद से ई-साक्ष्य का त्वरित संकलन होगा। घटनास्थल की तस्वीरें, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग तुरंत ली जा सकेंगी। डिजिटल रिपोर्टिंग के तहत विवेचना रिपोर्ट को पूरी तरह व्यवस्थित और मानकीकृत किया जाएगा। वैज्ञानिक विवेचना दौरान पारंपरिक साक्ष्यों के साथ डिजिटल साक्ष्य भी केस डायरी का हिस्सा बनेंगे, जिससे न्यायालय में मजबूत प्रमाण पेश होंगे। मोबाइल वितरण के बाद आगामी दिनों में विवेचकों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। साथ ही तकनीकी सहायता, डेटा सुरक्षा और मॉनिटरिंग के लिए एक मजबूत व्यवस्था भी लागू की गई है, ताकि इन उपकरणों का जमीनी स्तर पर सही उपयोग सुनिश्चित हो सके।

समभाव महिला मंच ने कुड़पानी के प्राथमिक शाला प्रवेश उत्सव में भरी नई ऊर्जा

बच्चों को छाता-पठन सामग्री, महिलाओं को नशा मुक्ति और स्वरोजगार का दिया संदेश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पहाड़ी कोरवा ग्राम कुड़पानी में शिक्षा और सशक्तिकरण की अलख जगाने समभाव महिला मंच की सदस्याएं एक बार फिर पहुंचीं। इस सामाजिक संस्था ने नए शिक्षा सत्र में भी सेवा कार्य की शुरुआत प्राथमिक शाला कुड़पानी के प्रवेश उत्सव में भाग लेकर की। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन' के साथ हुई। शाला की प्रधान पाठिका ममता गुप्ता ने समभाव की संयोजिका वंदना दत्ता', उपसरपंच सतरूपा एवं सभी सदस्यों का स्वागत किया। प्रवेश उत्सव पर आशा राणा' ने सभी बच्चों को पठन सामग्री वितरित की। मंच की सदस्यों ने बच्चों को छाता भी भेंट किया, ताकि बरसात के मौसम में भी बच्चे नियमित रूप से स्कूल आ सकें। कार्यक्रम में समभाव महिला मंच से सुनीता चोपड़ा, बरखा चोपड़ा, अंजना परिहार, सपना चोपड़ा भी उपस्थित थीं। वहीं गांव से पंच सुखनी कुजूर, रजनी, अनिता, अनिमा, आशा, सुचिता, छुरी, इन्द्रकुंवर, सुनीता, सोनमती, गुड़िया, विजय पटेल, अशोक तिग्गा, रामप्रसाद सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।

महिलाओं को मिला सशक्तिकरण का मंत्र-इस अवसर पर समभाव की सदस्यों ने गांव की महिलाओं को जागरूक किया। तनुश्री मिश्रा ने सभी महिलाओं से साक्षर बनने और बच्चों को नियमित स्कूल भेजने का आव्हान किया। नीलिमा गोयल' ने महिलाओं को गृह उद्योग और गांव में मिलने वाले वनोपज के माध्यम से स्वरोजगार शुरू करने का सुझाव दिया। मंच की संयोजिका वंदना दत्ता ने महिलाओं से नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने नशे से होने वाले नुकसान से अवगत कराया। साथ ही कहा कि कोई भी महिला अगर अपना रोजगार शुरू करना चाहे तो मंच उसे आर्थिक सहयोग देने के लिए तैयार है'। उपसरपंच सतरूपा एवं प्रधान पाठिका ममता गुप्ता ने समभाव महिला मंच के इस प्रयास की सराहना की और सभी सदस्यों को आभार व्यक्त किया। उन्होंने मंच को कुड़पानी गांव की महिलाओं और बच्चों के लिए समय-समय पर इस तरह के आयोजन करते रहने का आमंत्रण भी दिया।

डिजिटल साक्ष्यों को विवेचना का हिस्सा बनाने और दोषसिद्धि दर बढ़ाने पर जोर

एनडीपीएस, साइबर क्राइम और फॉरेंसिक पर विवेचकों की एक दिवसीय कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अपराधों की गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस ने आज पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में विवेचकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में एनडीपीएस एक्ट, एससी/एसटी एक्ट, साइबर क्राइम एवं फॉरेंसिक जैसे जटिल विषयों पर केंद्रित रही। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में हुई कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण तुल सिंह पट्टावी, अतिरिक्त लोक अभियोजक नरेन्द्र पाण्डेय, नितेश चंद्र शुक्ला, मनोज तिवारी सहित जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारी एवं विवेचक शामिल हुए।

कार्यशाला में एनडीपीएस एक्ट पर प्रकाश डालते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा 'मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई में पारंपरिक साक्ष्यों के साथ-साथ डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का अधिकतम उपयोग करें। हर प्रकरण में तकनीकी साक्ष्यों को विवेचना का अभिन्न हिस्सा बनाएं, ताकि न्यायालय में मजबूत प्रमाण पेश किए जा सकें।' विवेचकों को घटनास्थल की वीडियोग्राफी, टेस्टिंग किट का उपयोग, वाणिज्यिक मात्रा के अपराधों में आर्थिक अनुसंधान और पीआईटी एनडीपीएस के तहत कार्रवाई की जानकारी दी गई। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी द्वारा मादक पदार्थों की पहचान और विवेचना में होने वाली त्रुटियों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विवेचना की गुणवत्ता में सुधार करके दोषसिद्धि दर में प्रभावी वृद्धि करना है। अधिकारियों ने कहा कि अब अपराध विवेचना सिर्फ बयान और बरामदगी तक सीमित नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित होगी। जब विवेचना वैज्ञानिक होगी, तभी अपराधियों को सजा मिलेगी और पीड़ितों को न्याय मिलेगा।

एससी/एसटी एक्ट की बारीकियां

लोक अभियोजकों ने बताया कि एससी/एसटी एक्ट के मामलों में घटनास्थल की त्वरित जांच और अधिनियम 1989 के तहत निर्धारित अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन जरूरी है। विवेचकों को वैज्ञानिक साक्ष्य, मौखिक गवाहों के बयान और फोरेंसिक सबूतों को अदालत में सही तरीके से पेश करने के तौर-तरीके बताए गए। साथ ही जांच में निष्पक्षता और लोक अभियोजक के साथ बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया।

साइबर क्राइम में त्वरित कार्रवाई

साइबर अपराधों में तत्काल बैंक को सूचित कर खातों से निकासी रोकने, अवैध निकासी और फंड ट्रांसफर वाले खातों का विवरण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। विवेचकों को मोबाइल नंबर, आईपी एड्रेस और आईएसपी से तकनीकी जानकारी निकालने की प्रक्रिया भी बताई गई। आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने के तरीके समझाए गए।

फॉरेंसिक और साक्ष्य संरक्षण

फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल को सुरक्षित रखने, साक्ष्य उठाने और पैक करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया की जानकारी दी। उंगलियों के निशान खोजने, विकसित करने और डेटाबेस से मिलान करने की तकनीक बताई गई। साक्ष्यों को नष्ट या दूषित होने से बचाने और उन्हें अदालत में मान्य बनाने के लिए कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करने का प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं पुण्य जयंती पर व्याख्यानमाला आयोजित

'एक देश में दो विधान नहीं चलेंगे'- युवाओं को दिया राष्ट्रवाद और संकल्प का संदेश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्र चेतना और अखंड भारत के प्रणेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के सिटी परिसर, दर्रीपारा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में शनिवार को एक दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाखपाले के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुकेश तिवारी, सारस्वत अतिथि कैलाश मिश्रा वरिष्ठ नागरिक एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. एस.के. श्रीवास्तव प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय लखनपुर उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे खेमकरण अहिरवार ने डॉ. मुखर्जी के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए प्रस्तावना प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि प्रो. एस.के. श्रीवास्तव ने युवाओं से कहा संकल्प से सिद्धि प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि डॉ. मुखर्जी साधारण जीवन जीने वाले प्रखर राष्ट्रवादी थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनका बड़ा योगदान रहा। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में उनकी भूमिका रही। उन्होंने लघु उद्योगों को प्रोत्साहित किया और भारत-बंगाल को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य अतिथि मुकेश तिवारी ने डॉ. मुखर्जी के संपूर्ण जीवन वृतांत का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि आजाद भारत की प्रथम सरकार में वे औद्योगिक मंत्री थे। उनके कार्यकाल में देश

के भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुए कई अत्याधुनिक कारखाने स्थापित किए गए जो आज भी कार्यरत हैं। 33 वर्ष की आयु में वे बंगाल विश्वविद्यालय के कुलपति बने। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में परमिट सिस्टम समाप्त कर 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा देकर पूरे देश को संदेश दिया। कैलाश मिश्रा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर संकल्प लें और समाज के लिए परोपकारी कार्य करें। उन्होंने 'हर बेटी की विदाई से पहले एक पेड़ लगाने और उसकी रक्षा करने का संदेश भी दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। साथ ही राशि के अभाव में विश्वविद्यालय के अधूरे निर्माण को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समय पर निर्माण पूरा न होने से विश्वविद्यालय, पूरे सरगुजा संभाग और प्रदेश को आर्थिक हानि होगी। धन्यवाद ज्ञापन हरिशंकर प्रसाद टोंडे ने किया। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर